आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 93 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 07 अप्रैल, 2025

रामेश्वरम में नए पम्बन ब्रिज का उद्घाटन

एशिया का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज; 5 मिनट में 22 मीटर ऊपर उठेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट स्पैन रेलवे ब्रिज (नए पम्बन ब्रिज) का उद्घाटन किया।

भाषा विवाद के बीच PM का तमिलनाडु सरकार पर निशाना :बोले-

मेडिकल की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं

एजेंसी ● चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान CM स्टालिन न ही उन्हें रिसीव करने पहुंचे और न ही कार्यक्रम में पहुंचे।

शिलान्यास

PM मोदी ने रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज और और अन्य योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना DMK नेताओं और CM एमके स्टालिन को नसीहत दे दी। PM ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव बने, इसलिए इन लोगों को स्थानीय भाषा में सिग्नेचर करना चाहिए। DMK सरकार हिंदी को लागू नहीं करना चाहती तमिलनाडु सरकार पिछले दो महीने से नई शिक्षा नीति के तहत राज्य में ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का विरोध कर रही है। पॉलिसी के तहत तमिल, अंग्रेजी के अलावा हिंदी को भी शिक्षा के माध्यम में शामिल करने का प्रस्ताव है। DMK चीफ और CM स्टालिन इसका विरोध कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने रामेश्वरम मंदिर में दर्शन किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रामनवमी पर तमिलनाडु के रामेश्वरम स्थित रामनाथ स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री 3 दिन के श्रीलंका दौरे से सीधे रामेश्वरम पहुंचे। श्रीलंका से लौटते हुए मोदी ने विमान से रामसेतु देखा। उन्होंने इसका वीडियो भी पोस्ट किया है। मोदी ने लिखा- श्रीलंका से लौटते हुए विमान से रामसेतु के दर्शन किए। यह तभी हुआ, जब अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्य तिलक हो रहा था। यह दिव्य अनुभव था। प्रभु श्रीराम हम सभी को जोड़ने वाली शक्ति हैं। उनकी कृपा सदैव हम पर बनी रहे।

तमिलनाडु के नेता तमिल में साइन नहीं करते

पीएम ने कहा- मैं तो कभी-कभी हैरान हो जाता हूं, जब तमिलनाडु के कुछ नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। कभी कोई नेता तमिल भाषा में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव हो, कम से कम तमिल में सिग्नेचर तो करो। पीएम ने कहा- आज दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। लोग भारत आना चाहते हैं, भारत को समझना चाहते हैं। तमिल भाषा और धरोहर दुनिया के कोने-कोने में पहुंचे। इसके लिए सरकार कोशिश कर रही है। मैं मानता हूं 21वीं सदी में इस महान परंपरा को और आगे ले जाना है।

राज्य सरकार तमिल भाषा में मेडिकल कोर्स शुरू करे

तमिलनाडु में 1400 से ज्यादा जनऔषधि केंद्र हैं। यहां 80 फीसदी डिस्काउंट पर दवाएं मिलती हैं। इससे भी तमिलनाडु के लोगों की 7 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई। देश के नौजवानों को डॉक्टर बनने के लिए विदेश जाने की मजबूरी नहीं रहे। इसके लिए बीते सालों में तमिलनाडु को 11 मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अब गरीब से गरीब बेटा-बेटी भी डॉक्टर बने सकते हैं। मैं तमिलनाडु सरकार से कहना चाहता हूं कि वे तमिल भाषा में मेडिकल कोर्स जारी करें, ताकि अंग्रेजी ने जानने वाले गरीब परिवार के बेटे-बेटी भी डॉक्टर बन सकें।

सूर्य तिलक के साक्षी बने करोड़ों भक्त

संवाददाता ● अयोध्या

रामलला के सूर्य तिलक व श्रीराम जन्मोत्सव के लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई थी। देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु जन्मोत्सव व सूर्य तिलक के साक्षी बने। रामलला के दरबार से दूरदर्शन ने सुबह 11 से लेकर दोपहर 12:30 तक लाइव प्रसारण किया। जिला प्रशासन की ओर से 150 स्थानों पर एलईडी के जरिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन का दावा है विभिन्न सोशल प्लेटफार्मों से करोड़ों ने लोगों ने विभिन्न माध्यमों से श्रीराम जन्मोत्सव की भव्यता देखी है।

जो रामलला के दरबार तक नहीं पहुंच पाए, वे अपने स्थानों से अपने आराध्य के जन्मोत्सव की भव्यता देखकर भावविभोर दिखे। नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास भी राम जन्मभूमि नहीं पहुंच सके। उन्होंने दूरदर्शन पर जन्मोत्सव का सजीव प्रसारण देखा। कहा कि रामलला के साथ करोड़ों रामभक्तों ने बहुत दर्द सहा है। युगों बाद एक बार फिर भगवान भास्कर ने राम जन्मोत्सव पर रामलला का अभिषेक किया है। वहीं रामलला की सुबह की श्रृंगार व मंगला आरती का दर्शन दूरदर्शन पर रोज की अपेक्षा छह गुना भक्तों ने किया। रोजाना जहां आठ से 10 हजार श्रद्धालु आरती देखते थे वहीं जन्मोत्सव पर 71 हजार रामभक्तों ने घर बैठे आरती का दर्शन किया।

नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करनें और मां नर्मदा के अविरल प्रवाह का लिया संकल्प

मुख्यमंत्री ने दादा कुटी में पूजा अर्चना की

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नर्मदापुरम जिले के अवधूत श्री दादा गुरु के दादा कुटी में पहुंचकर हवन कर पूजा-अर्चना की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दादा कुटी में 108 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का पूजन-अर्चन किया एवं नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करने एवं मां नर्मदा नदी के अविरल प्रवाह के लिए संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवधूत श्री दादा गुरु के मार्गदर्शन में संतों के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन की। मुख्यमंत्री ने अवधूत श्री दादा गुरू के साथ आध्यात्मिक चर्चा की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान समूचे प्रदेश में प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत बंद एवं लुप्त हो चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित कर उन सभी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मां नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को विकसित करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही मां नर्मदा के अविरल प्रवाह के लिए भी संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस संकल्प में दादा गुरू का आर्शीवाद हमें प्राप्त हुआ है।

दादा गुरु के सानिध्य में कन्या-पूजन कर आध्यात्मिक चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा पथ से होकर जाने वाले नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उनके लिए धर्मशाला एवं अन्य व्यवस्थाएँ भी प्राथमिकता से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी आध्यात्मिक गतिविधियां सरल एवं सुगम हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों को सुव्यवस्थित एवं विकसित करनें के लिए कृत-संकल्पित है। उन्होंने प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आज मैहर एवं चित्रकूट भी जा रहे हैं। आज चित्रकूट का गौरव दिवस है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के कुछ वर्ष चित्रकूट में बिताये थे। चित्रकूट में रामनवमी के अवसर पर घर-घर में दीप प्रज्ज्वलित किये जाऐंगे।

इस अवसर पर दादा कुटी में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा, नगरपालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव सहित प्रीति पवन शुक्ला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री अखिलेश खंडेलवाल, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोलंकी, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

प्रयागराज में गाजी की मजार पर भगवा झंडे फहराए

छत पर चढ़कर लगाए नारे, बोले- यहां आक्रांता कभी नहीं आया

संवाददाता ● प्रयागराज

प्रयागराज में रामनवमी पर महाराजा सुहेलदेव संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सालार मसूद गाजी की दरगाह पर भगवा झंडे फहराए। तीन युवक दीवारों के सहारे दरगाह की छत पर चढ़ गए। ॐ लिखे भगवा झंडा लहराते हुए नारेबाजी की।

युवकों की अगुआई कर रहे मनेंद्र प्रताप सिंह ने खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताया। उसने कहा- सालार मसूद गाजी आक्रांता था। ऐसे में तीर्थराज प्रयाग में उसकी कोई दरगाह नहीं होनी चाहिए। दरगाह को तुरंत ध्वस्त कर देना चाहिए। उस जगह को हिंदुओं को पूजा-पाठ के लिए सौंप देनी चाहिए। पुलिस के पहुंचने से पहले हंगामा करने वाले युवक भाग गए थे। हंगामा करने से पहले महाराजा सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों ने डीएम और पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन

भी दिया था। ये दरगाह गंगापार इलाके में प्रयागराज शहर से 40 किमी दूर है।

अखिलेश ने X पर लिखा- नाकामी छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते।

कांग्रेस ने कहा- सौहार्द को बिगाड़ने के लिए भाजपा नेता ने धार्मिक स्थल पर चढ़कर झंडे लहराए।

धैर्य और कृपा की एक व्यक्तिगत तीर्थयात्रा

अनंत अंबानी ने द्वारकाधीश के चरण कमलों पर अपनी पदयात्रा पूरी की

एजेंसी ● अहमदाबाद

रविवार 6 अप्रैल को, राम नवमी के शुभ दिन, जो हिंदू कैलेंडर के अनुसार अनंत अंबानी का जन्मदिन भी है, अनंत ने जामनगर से द्वारका तक 180 किलोमीटर पैदल चलने की अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए पवित्र शहर द्वारका में प्रवेश किया। उन्होंने शनिवार 29 मार्च को अपनी आध्यात्मिक खोज शुरू की और औसतन प्रतिदिन 12 से 15 किलोमीटर पैदल चले। आस्था से प्रेरित यह लंबी यात्रा औपचारिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत है। यह भगवान कृष्ण की कृपा के प्रति समर्पण और सनातन धर्म के आदर्शों के प्रति समर्पण का कार्य है।

यह कोई औपचारिक मार्च नहीं है। यह शुद्ध भक्ति का कार्य है - भगवान कृष्ण को शरीर, मन और आत्मा का समर्पण। हर कदम के साथ, अनंत द्वारकाधीश की कृपा और सनातन धर्म के आदर्शों के प्रति समर्पित हो जाता है। उसका चलना कोई बयान देने के बारे में नहीं है; यह शांति, एकांत और पसीने में ईश्वर की खोज के बारे में है।

इस यात्रा को और भी असाधारण बनाने वाली बात यह है कि अनंत कुशिंग सिंड्रोम (एक दुर्लभ हार्मोनल विकार) और रुग्ण मोटापे से जूझते हुए यह यात्रा कर रहे हैं, साथ ही अस्थमा और फाइब्रोसिस जैसी पुरानी बीमारियों से भी जूझ रहे हैं, जो बचपन से ही उन्हें चुनौती दे रही हैं। इस पदयात्रा का शारीरिक बोझ हममें से सबसे स्वस्थ व्यक्ति को भी डरा देगा। फिर भी, अनंत के लिए, यह तीर्थयात्रा ताकत साबित करने के बारे में नहीं है। यह भय से ऊपर आस्था, असुविधा से ऊपर भक्ति और सहजता से ऊपर अनुशासन रखने के बारे में है।

यह एकांत खोज है, जिसमें केवल कुछ करीबी सहयोगी और आध्यात्मिक मार्गदर्शक ही साथ देते हैं। कोई कैमरा नहीं है, कोई मीडिया ब्रीफिंग नहीं है, कोई सोशल मीडिया फुटप्रिंट नहीं है - केवल धूल भरी धरती पर कदमों की आवाज़ और अटूट विश्वास की खामोश फुसफुसाहट है। रेत के हर कण और खुले आसमान के नीचे खींची गई हर सांस में, अनंत एक सच्चाई जी रहा है जिसे अपनाने की हिम्मत बहुत कम लोग करते हैं: कि असली ताकत अक्सर चुपचाप चलती है।

निरंतर शोर, अंतहीन विकर्षणों और बदलते मूल्यों की दुनिया में, अनंत अंबानी की द्वारका तक की पदयात्रा स्पष्टता, साहस और दृढ़ विश्वास का एक दुर्लभ कार्य है। सतही चीजों में गहराई और अराजकता में अर्थ की खोज करने वाली पीढ़ी के लिए, उनकी पदयात्रा कुछ शक्तिशाली प्रदान करती है - एक अनुस्मारक कि विश्वास कालातीत है, और लचीलापन हमेशा दहाड़ता नहीं है।

अनंत की यात्रा किसी अनुष्ठान के बारे में नहीं है। यह स्वयं के प्रति जिम्मेदारी के बारे में है। हर दिन जागने और कठिन मार्ग पर चलने का चुनाव करने के बारे में - प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि शांति के लिए। दुनिया को प्रभावित करने के लिए नहीं, बल्कि ईश्वर के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए। उनकी यात्रा कहती है:

'मैं आपको धन्यवाद कहने के लिए दर्द से गुज़रूँगा। मैं अपना विश्वास दिखाने के लिए असुविधा को सहन करूँगा। मैं झुक जाऊँगा - इसलिए नहीं कि मैं कमज़ोर हूँ, बल्कि इसलिए कि मैंने गर्व के बजाय समर्पण को चुना है।'

इस पवित्र और अत्यंत व्यक्तिगत यात्रा के माध्यम से अनंत अंबानी एक पीढ़ी से बात करते हैं: 'अपनी भक्ति को अपना मार्गदर्शक बनने दें। इसे आपको विनम्र बनने दें। इसे आपको बनाने दें। और जब जीवन का बोझ भारी लगे, तो अपने विश्वास को आपको आगे ले जाने दें।

गुंडागर्दी : राऊ-देवास बायपास की घटना, क्षिप्रा थाने पहुंचा मामला

कार को टोल फ्री नहीं करने पर 12 लोगों ने जमकर मचाई तोड़फोड़

संवाददाता ● इंदौर

राऊ-देवास बायपास पर स्थित टोल पर जमकर तोड़फोड़ हुई । बताया गया कि आरोपी मारुति 800 कार का टोल नहीं देना चाहते थे। इस पर कार चालक ने फोन पर किसी से बात भी कराई, लेकिन टोल माफ नहीं हुआ तो उन्होंने फोन करके अपने अन्य 10 से 12 साथियों को बुला लिया। उसके बाद टोल के केबिन में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की गई। मामले में टोल कंपनी की तरफ से क्षिप्रा थाने में शिकायत हुई है। इंदौर-देवास बाइपास के शिप्रा टोल नाके पर आए दिन विवाद होते है।

मामला

जानकारी के अनुसार राऊ-देवास बायपास पर इंद्रदीप कंपनी टोल संभाल रही है। यहां पर शुक्रवार की रात एक कार चालक ने टोल कर्मचारी से फोन पर मंत्री समर्थक से बात करवा कर अपनी कार को बिना टोल दिए जाने का कहा। इस पर टोल कर्मचारी ने यह कहते हुए कार चालक को मना कर दिया कि टोल तो देना पड़ेगा। इस पर दोनों के बीच बहस भी हो गई। बस फिर क्या था कार चालक ने फोन करके अपने समर्थकों को टोल पर बुला लिया।

कई गाड़ियों से आए और गेट और कम्प्यूटर तोड़े : विवाद के बाद कई गाड़ियों से स्वयं को मंत्री समर्थक बताते हुए लोग पहुंचे और उन्होंने टोल कर्मचारियों से विवाद करते हुए तोड़फोड़ कर दी। वे टोल के केबिन में घुसे और वहां रखे कम्प्यूटर को उठाकर बाहर सड़क पर फेंक दिया। इस दौरान वहां से गुजरने वाली गाड़ियां बिना टोल दिए ही गुजरती रहीं।

टीआई बोले- समझौता हो गया

घटना को लेकर क्षिप्रा टीआई का कहना है कि हमारे पास टोल कंपनी की तरफ से टोल पर तोड़फोड़ को लेकर शिकायत का आवेदन आया है। इस पर हमने दोनों पक्षों को बात करने के लिए बुलाया है। अभी तक दोनों पक्षों में से कोई भी हमारे पास नहीं आया है। हालांकि ऐसी जानकारी मिली है कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। तोड़फोड़ करने वाले लोगों के एक मंत्री समर्थक होने की बात पर टीआई का कहना है कि ऐसा नहीं है, वे आसपास के गांव के ही लोग हैं।

कंपनी अफसर बोले- FIR कराएंगे

वहीं टोल कंपनी का कहना है कि घटना के सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं। आरोपियों ने काफी बुरी तरह से तोड़फोड़ की है। साथ ही जिस टोल मैनेजर ने कार को टोल माफ करने से मना किया था वह घटना के बाद काफी डरा हुआ है और काम पर वापस ही नहीं लौटा है। अभी मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं हुआ है। हम घटना को लेकर आरोपियों पर एफआईआर कराएंगे। इधर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सोमेश बांझल का कहना है कि मुझे टोल कंपनी ने मामले की जानकारी दी है, लेकिन अभी तक शिकायत नहीं मिली है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

शिप्रा टोल नाके पर पहले भी तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी है। पहले टोल नाका देवास टोलवेज द्वारा संचालित किया जाता था, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ठेका निरस्त करने के बाद दूसरी एजेंसी को टोल नाके का संचालन करने की जिम्मेदारी दी। 1 अप्रैल को टोल टैक्स की दरें भी बढ़ाई गई थी।

शॉट न्यूज

18 साल का इकलौता बेटा हार्ट अटैक में चल बसा

इंदौर। कम उम्र के लोगों को दिल का दौरा पड़ने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। द्वारकापुरी क्षेत्र में एक 18 साल के इकलौते बेटे की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। रात को उसे सीने में तेज दर्द उठा और घबराहट महसूस हुई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने मौत की वजह हार्ट अटैक बताई। युवक का नाम अर्जुन पिता जवाहर पटेल है। अर्जुन को पहले से दिल से जुड़ी कोई बीमारी नहीं थी, लेकिन शनिवार रात उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। पहले परिजन उसे घर के पास के अस्पताल में ले गए, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे दूसरे अस्पताल में रैफर कर दिया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम किया है। परिजनों बताया कि रामनवमी की पूर्व संध्या पर घर में पूजा रखी थी।

महिला के घर आग लगाने के साथ तोड़फोड़ भी की

इंदौर। गांधीनगर में एक महिला ने 2 आरोपियों के खिलाफ धमकाने, तोड़फोड़ करने और घर में आग लगाने के मामले में केस दर्ज कराया है। निजी कंपनी में काम करने वाली महिला ने बताया कि आरोपी को शंका थी कि वह उसके पिता से बात करती है। इसी को लेकर उसने आगजनी की घटना को अंजाम दिया। गांधी नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर ऋषभ कुशवाह और मोंटी पर FIR दर्ज कर ली है। वह लिम्बोदागिरी कॉलोनी में रहती है। घटना 3 अप्रैल की रात की है। इस दौरान देर रात ऋषभ का कॉल आया और कहा कि वह घर से बाहर निकले। कारण पूछा तो ऋषभ ने कहा कि तुम मेरे पिता से बात करती हो। घर के अंदर से ही महिला ने इस बात से इंकार किया।

साढ़े 15 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर को धरदबोचा

इंदौर। शहर में मादक पदार्थ व अपराधियों पर नियन्त्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश पुलिस उपायुक्त जोन-02 अभिनय विश्वकर्मा ने दिए हैं। इसके अनुक्रम में थाना प्रभारी खजराना ने टीम गठित कर लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनमें संलिप्त लोगों के संबंध में गोपनीय रूप से लगातार असूचना संकलन कर कार्रवाई की जा रही हैं। इसी कड़ी में थाना खजराना की टीम ने संदेहियो की तलाश व पतारसी खजराना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर की तो साजी तालाब दरगाह के पीछे खाली मैदान पर संदिग्ध दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा तो उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछने पर उसने अपना नाम इरशाद पिता शहजाद खान उम्र 44 साल निवासी 69 तंजीम नगर खजराना बताया। तलाशी लेने पर उसके पास अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स होना पाया गया।

किन्नर समाज ने इंदौर के रहवासियों के साथ पूरे देश के लिए की मंगल कामना

नवरात्रि में पूरे 9 दिनों तक होता है विशेष हवन-पूजन

संवाददाता ● इंदौर

किन्नर समाज एक ऐसा समाज है जो की नवरात्रि के दौरान 9 दिन तक मां दुर्गा की विशेष पूजन आरती और हवन करता है इंदौर शहर का नंदलालपुरा जहां सालों से किन्नर समाज बसा हुआ है और शहर वासियों के लिए इस 9 दिन नवदुर्गा पर में विशेष पूजन अर्चन कर उनके लिए दुआएं भी करता है। चित्र नवरात्रि में नंदलालपुरा के सभी किन्नर समाज द्वारा विशेष पूजा अर्चना और राम नाम जप किया जा रहा है शहर में 9 दिन पूरे होने के बाद किन्नर समाज की सीमा गुरु द्वारा आज विशेष पूजन आरती की गई जहां पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष वह चैत्र नवरात्र वह शारदीय नवरात्र पर इसी तरह से पूजन हवन करते हैं और पूरे देशवासियों के लिए मंगल कामनाएं करते हैं साल भर जहां किन्नर समाज अपने त्योहारों के चलते शहर भर में भ्रमण करता है लेकिन इन नौ दिनों में वह केवल मां दुर्गा की पूजन हवन और उनकी आराधना में ही बीतता है। इस वर्ष विशेष रूप से राम नाम जप और कई किन्नर समाज के व्यक्ति अयोध्या के लिए रामलाल के दर्शन के लिए भी गए हुए हैं।

मंगल कामना

मां विंध्यवासिनी मंदिर में महानवमी पर किया मनोहारी श्रृंगार, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अपलक निहारा

इंदौर। देवास नाका, निरंजनपुर रोड स्कीम 114 स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर पर चैत्र नवरात्र की महानवमी पर रविवार को सुबह से देर रात तक भक्तों का मेला जुटा रहा। बड़ी संख्या में आए भक्तों ने सुबह यज्ञ-हवन, श्रृंगार दर्शन, छप्पन भोग एवं अन्य अनुष्ठानों में भाग लिया, जबकि दोपहर में महाआरती में भी सैकडों श्रद्धालु शामिल हुए और अपने लिए मन्नतें मांगी। मंदिर के मुख्य पुजारी और संस्थापक पं. शिवनारायण पाठक के निर्देशन में आज भी मां का मनोहारी श्रृंगार कर

56 भोग समर्पित किए गए। दोपहर में आरती के पश्चात आसपास की बस्तियों में रहने वाली बालिकाओं को कन्या पूजन एवं कन्या भोज में आमंत्रित कर शक्ति स्वरूपा बेटियों का पाद पूजन कर उन्हें शिक्षा के लिए शैक्षणिक सामग्री एवं अन्य उपहार भेंट किए गए। मंदिर पर आज भी सैकड़ों भक्तों ने आकर अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लिए नाड़ा, मौली, कलावा बांधकर मन्नतें मांगी। रात्रि में भजन संध्या का आयोजन भी हुआ।

पालने में दुलारते हुए जन्मोत्सव आरती में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

प्रभु राम के जयघोष से गूंजा दशहरा मैदान

संवाददाता ● इंदौर

दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर गत 30 मार्च से चल रहे 'सबके राम' महोत्सव का गरिमापूर्ण समापन रविवार शाम राम लला के मंदिर में विराजित राम दरबार की दिव्य महाआरती एवं उसके पूर्व दोपहर में पालने में विराजित नन्हें प्रभु श्रीराम लला की जन्म आरती में शहर के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। संघ, विहिप, बजरंग दल एवं विद्यार्थी परिषद से जुड़े सभी स्तर के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवकों एवं सनातन धर्म से जुड़े 21 समाजों के पदाधिकारियों ने जन्म आरती में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। भक्तों में प्रभु राम का पालना झुलाने की होड़ मची रही। महामंडलेश्वर राधे राधे बाबा, महामंडलेश्वर पवनदास महाराज एवं अन्य संतों के सानिध्य में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केन्द्र बनी रही। हजारों दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों को मंत्रमुग्ध होकर निहारा। संतों ने कहा कि सनातन धर्म की मजबूती वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस तरह के महोत्सव निरंतर होते रहना चाहिए।

'सबके राम' लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि समापन बेला में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विहिप के हेडगेवार स्मारक समिति के प्रमुख ईश्वरदास हिन्दूजा, संघ के सामाजिक समरसता विभाग के जितेन्द्र शर्मा, भोरभ्रमण समूह के अध्यक्ष कमल किशोर पंवार, सचिव राजेश बागोरा, पूर्व विधायक जीतू जिराती एवं गोपीकृष्ण नेमा, उद्योगपति वीरेन्द्र गोयल, किरण जोशी, अ.भा. क्षत्रिय महासभा के नगर अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, पार्षद श्रीमती शिखा दुबे एवं संदीप दुबे, अशोक चौहान चांदू, महेन्द्रसिंह सोनगरा, मनोज द्विवेदी, मनोज ठाकुर, अनंत पंवार, गुरुदेव नितिन मतकर सहित विशिष्टजनों ने शामिल होकर राष्ट्र में सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मेहमानों ने इस दिव्य और भव्य महोत्सव के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी व्यक्त की। महोत्सव के पूरे आठ दिनों में लगभग एक लाख भक्तों ने इस आयोजन का पुण्य लाभ उठाया। जन कल्याण, राष्ट्र सुख, शांति और समृद्धि की कामना से किए गए इस श्रीराम महायज्ञ में 11 लाख आहुतियों के लक्ष्य के मुकाबले 15 लाख आहुतियां सम्पन्न हुई जो एक कीर्तिमान है। पूरे महोत्सव में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ उठाया।

राम जन्मोत्सव की हुई महाआरती

विद्याधाम पर सग्रहमख शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति

संवाददाता ● इंदौर

विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर चल रहे चैत्र नवरात्रि महोत्सव का समापन रविवार को दोपहर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में 21 विद्वानों द्वारा सग्रहमख शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं उसके पूर्व दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव की महाआरती के साथ हुआ।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, यदुनंदन माहेश्वरी एवं पं. दिनेश शर्मा ने बताया कि महायज्ञ में अब तक 2 लाख से अधिक आहुतियां संपन्न हुई है। इनमें एक लाख 51 हजार आहुतियां सग्रमहख एवं 51 हजार आहुतियां रविवार को हुए श्रीराम महायज्ञ के दौरान समर्पित की गई। श्रीराम जन्मोत्सव

में सुबह षोडषोपचार पूजन, दुग्धाभिषेक एवं पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। आचार्य समूह की ओर से पं. राहुल कृष्ण शास्त्री, पं. योगेश पाराशर, पं. लोकेश शर्मा सहित 21 विद्वानों ने यज्ञानुष्ठान संपन्न कराया। आश्रम पर भगवती के नित्य नूतन मनोहारी श्रृंगार में पं. लोकेश शर्मा का भी सराहनीय योगदान रहा।

आज चैत्र नवरात्रि की समापन बेला में मां भगवती को 56 भोग भी समर्पित किए गए। आश्रम परिवार के राजेन्द्र महाजन, रमेशचंद्र राठौर एवं संजय पंडित ने बताया कि महानवमी पर सौग्यवती एवं कन्या पूजन भी किया गया। अब 12अप्रैल को हनुमान प्राकट्य महोत्सव में सुबह 6 बजे षोडशोपचार पूजन, अभिषेक एवं श्रृंगार तथा प्रकटोत्सव के बाद आरती एवं प्रसाद वितरण के आयोजन होंगे। संध्या को रामायण पाठ भी होगा।

51 बटुकों का निशुल्क यज्ञोपवीत संस्कार भी शुरू, राम जन्मोत्सव की महाआरती में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हंसदास मठ पर हनुमान कथा और लक्ष्मीनारायण महायज्ञ आज से

मठ के युवराज महामंडलेश्वर पवनदास महाराज ने बताया कि रविवार को राम नवमीं के उपलक्ष्य में मठ स्थित राम दरबार मंदिर को पुष्पों एवं विद्युत सज्जा से श्रृंगारित किया गया था।

संवाददाता ● इंदौर

एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर रविवार को दोपहर हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज के सान्निध्य में राम जन्मोत्सव की महाआरती में सैंकड़ों भक्तों ने भाग लिया। मठ पर सोमवार 7 अप्रैल से 11 अप्रैल तक हनुमान कथा और लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के दिव्य आयोजन भी होंगे। आज 51 ब्राह्मण बटुकों के यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन भी सुबह से प्रारंभ हो गया है, जो दिनभर चलेगा। यज्ञोपवीत में लगने वाली सभी सामग्री भी मठ की ओर उपलब्ध कराई जाएगी।

सैलाब

मठ के युवराज महामंडलेश्वर पवनदास महाराज ने बताया कि रविवार को राम नवमीं के उपलक्ष्य में मठ स्थित राम दरबार मंदिर को पुष्पों एवं विद्युत सज्जा से श्रृंगारित किया गया था। सुबह से शाम तक मठ पर भक्तों का मेला जुटा रहा। सुबह 9 बजे भगवान का अभिषेक किया गया।

मठ पर चल रहे दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णाहुति संध्या को संपन्न हुई। मठ पर प्रभु राम की 6 फुट ऊंची दिव्य प्रतिमा है। इतनी ऊंची प्रतिमा शहर के किसी अन्य राम मंदिर में नहीं है। मठ स्थित राम दरबार की दिव्य और मनोहारी प्रतिमाओं का श्रृंगार नवरात्रि में यहां पहले दिन से ही किया जा रहा था। राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मठ के सभी देवालयों में भी आज मनोहारी श्रृंगार किया गया था, जिनके दर्शनार्थ दिनभर भक्तों का मेला जुटा रहा। अब आज अप्रैल से 11 अप्रैल तक यहां हनुमान कथा और लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के दिव्य आयोजन होंगे। हनुमान कथा प्रतिदिन सांय 4 से 7 बजे तक होगी। इसके यजमान अनंत योगेन्द्र महंत मनोनीत किए गए हैं। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन भी प्रतिदिन सुबह साढ़े 8 से दोपहर 1 बजे तक यज्ञाचार्य पं.विवेक कृष्ण शास्त्री के निर्देशन में चलेगा। पूर्णाहुति 11 अप्रैल को होगी। पं. पवनदास महाराज के अनुसार 12 अप्रैल को हनुमानजी का प्राकट्य महोत्सव भी धूमधाम से मनाया जाएगा। शुक्रवार, 11 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ होगा। शनिवार, 12 अप्रैल को सुबह 6.30 बजे जन्मोत्सव की महाआरती होगी। पूर्णाहुति हवन दोपहर 12 बजे होगा। मठ स्थित पंचमुखी चिंताहरण हनुमान महाराज का आकर्षक श्रृंगार एवं पूजन महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरण दास महाराज के सानिध्य में होगा तथा सायं 7 बजे श्रृंगार, महाआरती के पूर्व 56 भोग समर्पित किए जाएंगे। सांय 7 बजे से आम भक्तों के लिए भंडारा भी होगा। महाआरती के पश्चात भक्तों को अभिमंत्रित रक्षा कवच का वितरण भी किया जाएगा।

राम जन्मोत्सव : घर परिवारों, मठ-मंदिरों और संस्थानों में दिखा गजब का उत्साह

दोपहर 12 बजते ही गूंज उठे घंटे-घड़ियाल, ढोल-नगाड़े

संवाददाता ● इंदौर

शहर में रामनवमी के दिन हर जगह हर्षोल्लास का माहौल रहा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दोपहर 12 बजते ही घर परिवार, मंदिरों, मठों और संस्थानों में घंटे-घड़ियाल और ढोल-नगाड़े गूंजने लगे। श्रद्धा भाव से महाआरतियां की गई। मंदिरों में अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति रविवार सुबह की गई।

उत्साह

सुबह से ही शहर के मंदिरों में रामलला की प्रतिमा के अभिषेक अनुष्ठान कर नवीन वस्त्र धारण कराएं गए। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया था। श्री राम जानकी मंदिर गोराकुंड, पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर, गीताभवन श्री राम दरबार, श्री राम मंदिर जूनी इंदौर, खातीपुरा श्री राम मंदिर, श्रीराम मंदिर बड़ा गणपति, खजराना गणेश मंदिर, श्री विद्या धाम, अन्नपूर्णा मंदिर, श्रीराम मंदिर रघुवंशी कालोनी, लोकमान्य नगर,इतवारिया बाजार ,मालगंज मंदिर सहित अन्य देवालयों में राम जन्मोत्सव का उल्लास छाया रहा, दोपहर में हुई जन्मोत्सव आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। रामनवमी की तैयारियां शनिवार रात से मंदिरों में की जा रही थी।

जगह-जगह भंडारे – शहर में राम जन्मोत्सव की तैयारियां पिछले कई दिनों से नजर आ रही थी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जहां भगवा पताकाएं सजी, वहीं आज रामनवमी के अवसर पर जगह जगह विभिन्न अनुष्ठान एवं भंडारे के आयोजन भी किए गए। अलसुबह से श्रद्धालु श्रीराम यात्रा भी निकाल रहे हैं, जिसमें बच्चे आकर्षक वेशभूषा में शामिल हुए, वहीं मातृशक्तियां भी भजन गाते हुए नजर आई।

पंचकुईया से निकली श्रीराम रथयात्रा – पंचकुईया स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम से परंपरागत श्रीराम रथ यात्रा शाम 4 बजे निकली। यात्रा में अयोध्या रामलला की झांकी आकर्षण का केंद्र रही, साधु-संत के साथ सनातनी राम भक्तजन भी यात्रा में शामिल हुए, भजन मंडलियों ने प्रस्तुति दी। महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने बताया कि मोगरा सहित अनेक किस्मों के फूलों से सजे रथ पर रामलला सवार होकर भक्तों का दर्शन देने निकले। यात्रा मार्ग पर भगवा ध्वज लगाए गए।

सांई-राम पालकी यात्रा से मध्य क्षेत्र भक्तिमय – श्री केंद्रीय सांई सेवा समिति धार्मिक एवं मानव सेवा ट्रस्ट इन्दौर द्वारा रामनवमी पर्व पर बड़ा गणपति मंदिर से सुबह 6 बजे सांई राम पालकी यात्रा धूमधाम और श्रद्धा से निकाली गई। सुबह निकली बाबा की इस शोभायात्रा में शामिल होने के लिए सांई भक्तों में उत्साह छाया रहा। राम दरबार व हनुमान भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन झांकियों में नजर आए।

यहां भी हुए आयोजन

इस्कॉन मंदिर में प्रभु श्री राम का नौका विहार आयोजित किया गया। आर्य समाज के द्वारा श्री राम यात्रा निकाली गई। रणजीत हनुमान मंदिर के शीश महल में श्री राम जन्मोत्सव के दर्शन हुए, वहीं दशहरा मैदान स्थित अवध लोक में रामायण नाटिका का मंचन किया गया। प्राचीन हंसदास मठ बड़ा गणपति पर अनुष्ठान हुए और बटुकों का यज्ञोपवित संस्कार आयोजित किया गया। राजेन्द्रनगर श्री राम मंदिर में महिलाओं ने पालना गीतों की प्रस्तुतियां दी। श्री चैतन्य राम केन्द्र श्रीराम मंदिर कुशवाहा समाज ट्रस्ट के द्वारा श्री राम प्राण-प्रतिष्ठा की मूर्ति को नगर भ्रमण कराया गया।

रणजीत हनुमान मंदिर प्रमुख आकर्षण का केंद्र

रविवार को आकर्षण का केंद्र शहर का प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर रहा जिसे इस बार शीश महल का रुप में सजाया। प्रभु श्रीराम ने शीश महल में अपने भक्तों को दर्शन दिए । मंदिर को मथुरा-वृंदावन और इंदौर के कलाकारों द्वारा सजाया गया। श्रीखंड और साबूदाने की खिचड़ी का प्रसाद भी भक्तों को वितरित किया गया । रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि कलाकारों द्वारा मंदिर को महल के रुप में तैयार करने के लिए लगभग 7 हजार रनिंग फीट लकड़ी और 700 मीटर कपड़े का इस्तेमाल किया गया। प्रभु श्रीराम के महल की कलाकृति को शीश के झरोखे, झूमर, पर्दे और डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया। विभिन्न प्रकार के कांच के कट पीस से कलात्मक डिज़ाइन तैयार की गई है। इसे सुंदरता देने के लिए डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया है।

शॉट न्यूज

पर्यावरण अनुकूल आर्किटेक्चर सम्मेलन में 40 देशों के विशेषज्ञ लेंगे हिस्सा

इंदौर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स एमपी चैप्टर द्वारा देश की सबसे बड़ी आर्किटेक्चरल कॉन्फ्रेंस "आईआईए नैटकॉन 2025" का आयोजन 11 से 13 अप्रैल तक किया जा रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, यूके और जर्मनी सहित विश्वभर के शीर्ष आर्किटेक्ट्स इंदौर पहुंचेंगे। साथ ही देशभर के 2000 से अधिक आर्किटेक्ट्स भी शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस की थीम "ट्रांसम" है, जिसका अर्थ है सेतू। इस थीम के तहत आयोजन में होने वाले 15 से अधिक सेशन्स में पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला के बीच सेतु स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। यह सम्मेलन नए विचारों, रचनात्मकताओं और प्रयोगों के बीच भी एक सेतु की तरह काम करेगा।

शादी से पहले भी करता था छेड़खानी अब ससुराल तक करने लगा पीछा

इंदौर। चंदन नगर में नवविवाहिता से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक शादी से पहले ही महिला को परेशान करता था और शादी के बाद भी उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। अब ससुराल तक आकर परेशान कर रहा है। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक, 21 साल की नवविवाहिता की शिकायत पर अजय कुशवाह (निवासी राज नगर) के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि शादी से पहले ही अजय उसका पीछा करता था और घर के बाहर खड़ा रहता था। करीब दो महीने पहले उसकी शादी हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी आरोपी ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। महिला के मुताबिक, अजय अब ससुराल के बाहर आकर खड़ा हो जाता है और जब वह बाहर निकलती है तो उसे घूरता है।

IPL सट्टेबाजी के लिए 12 हजार में खरीदे थे 50 फर्जी बैंक खाते

इंदौर। भावना हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस को बड़ा खुलासा हाथ लगा है। आरोपियों ने रिमांड पर पूछताछ के दौरान बताया कि वे इंदौर में आईपीएल सट्टे का बड़ा सेटअप तैयार कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने एक किराए का बंगला लिया था और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी बैंक खातों की किट भी खरीदी थी। हर किट के लिए 12-12 हजार रुपए दिए गए थे और इस तरह से उन्होंने 50 से अधिक बैंक खातों की किट जुटाई थी, जिनका इस्तेमाल सट्टेबाजी के लिए होना था। अब पुलिस इन खातों की जांच में जुट गई है। महालक्ष्मी नगर स्थित बंगले में कुछ दिन पहले गोली लगने की घटना में भावना सिंह नामक युवती की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने आशु यादव, उसके भाई मुकुल यादव और युवती स्वास्तिका को गिरफ्तार किया था।

लालबाग में स्वदेशी मेला 15 सेदो हफ्ते तक रहेगी चहल-पहल

स्वदेशी अपनाओ, भारत समृद्ध बनाओ पर रहेगा जोर

संवाददाता ● इंदौर

स्वदेशी अपनाओ.. भारत को समृद्ध बनाओ सम्बन्धित जनजागरण अभियान के अंतर्गत शहर के लालबाग में 13 दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह 15 से 28 अप्रैल तक चलेगा। इसमें जम्मू–श्मीर से लेकर मप्र, उप्र, बिहार और छतीसगढ़ सहित कई राज्यों से स्वदेशी उत्पाद बनाने और बेचने वाले शामिल होंगे। एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री मप्र के सभागृह में स्वावलंबी भारत से सम्बन्धित उद्यमी संवाद के दौरान अभा स्वदेशी जागरण मंच नई दिल्ली के वरिष्ठ पदाधिकारी कश्मीरी लाल ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने जे लिए स्वदेशी यानी अपने देश में बने उत्पादों को अपनाना होगा। भारत के युवा को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी अथवा स्वरोजगार देने वाला बनाना है।

अमेरिका टैरिफ आपदा में अवसर- एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री के अनुसार स्वदेशी मंच के कश्मीरी लाल के मुताबिक अमेरिका द्वारा भारत पर बढ़ा कर जो नया टैरिफ थोपा है, इससे हमें नुकसान कम फायदा ज्यादा है क्योंकि चाइना सहित अन्य देशों पर जितना टैरिफ लगाया गया है। उसके मुकाबले भारत पर लगाया गया टैरिफ कम है। इसलिए विदेशों में भारतीय निर्यात एक दम बढ़ेगा।

वक्फ का नया कानून देशहित में

स्वदेशी मंच के लाल ने वक्फ बोर्ड सम्बन्धित नए कानून के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि आज के युग मे जमीन अर्थ व्यवस्था के लिए संजीवनी है। वक्फ बोर्ड के पास जो लगभग 10 लाख एकड़ जमीन है अब उस पर रोजगार सम्बन्धित छोटे मध्यम बड़े उद्योग संचालित हो सकेंगे। इससे आम मुस्लिमों को भी रोजगार मिलेंगे।

अभी तक 10 स्वदेशी मेले लगा चुके

स्वदेशी मेला प्रमुख रमनवीर सिंह अरोरा ने बताया कि स्वदेशी जन जागरण के लिए अभी तक कि प्रदेश में बड़े और मध्यम शहरों में 10 और सारे देश मे 48 स्वदेशी मेले लग चुके है। इंदौर में लगने वाला प्रदेश का यह 11 वा देश का 49 वां स्वदेशी मेला होगा।

एमवाय के कायाकल्प में भारी भ्रष्टाचार कई डॉक्टरों पर आएगी जांच की आंच

इंदौर। एमवाय अस्पताल के कायाकल्प–2 प्रोजेक्ट में लाखों के भ्रष्टाचार की शिकायत पर ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की है। इसमें कई डॉक्टर जांच के घेरे में हैं। इन्हें नोटिस जारी कर बयान के लिए बुलाया गया है। खास बात यह कि इसमें चूहे मारने के ठेके के मामले में भी भ्रष्टाचार किया गया है। एमवायएच के कायाकल्प के लिए 2014–15 में तत्कालीन कमिश्नर संजय दुबे ने प्रोजेक्ट कायाकल्य–2 शुरू किया था।

उस दौरान दान और सीएसआर फंड के जरिए कायाकल्प किया जाना तय किया गया था। इसके लिए शहर के अलग–अलग समाज और संगठनों के साथ कॉर्पोरेट कंपनियां और बैंक भी कायाकल्प करने के लिए आगे आए थे और खासी राशि दान की थी। उस राशि को इकट्ठा किए जाने को लेकर एक अलग से बैंक अकाउंट भी खोला गया था। इसके तहत जो भी कायाकल्प किया जाना था, उसी फंड के जरिए किया गया। इसे लेकर प्लान तैयार किया गया था। जांच के घेरे में तत्कालीन डीन डॉ. महेश राठौर, एमवाय अधीक्षक डॉ. एडी भटनागर और उप अधीक्षक डॉ. सुनील नारंग, डॉ. सुमित शुक्ला, डॉ. राहुल रोकड़े, डॉ. वीएस पाल आदि शामिल हैं। इनमें डॉ. शुक्ला और रोकड़े के बयान अभी होने बाकी हैं।

कायाकल्प के दौरान एमवाय अस्पताल में चूहों की समस्या भी सामने आई थी। चूहों को मारने का ठेका लक्ष्मी पेस्ट कंट्रोल को दिया गया था। यह राशि एमवाय अस्पताल के अन्य फंड में से खर्च की जानी थी, लेकिन जिम्मेदारों ने कंपनी को भुगतान इसी कायाकल्प वाले फंड से कर दिया था। साथ ही यह भी आरोप लगाए गए कि बिना टेंडर प्रक्रिया पूरी किए ही काम अलॉट कर दिए गए। साथ ही सामान खरीदी में भी मनमानी किए जाने के आरोप लगे थे।

फर्जीवाड़ा : निजी सोसायटी के सचिव की शिकायत पर कार्रवाई

नकली सील के साथ हस्ताक्षर किए, 21 लोगों पर केस

संवाददाता ● इंदौर

न्यू पलासिया स्थित एक निजी संस्था में दस्तावेजों की फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। संस्था की सचिव श्वेता चौकसे ने फर्जी संस्था बनाकर सरकारी दफ्तरों में फर्जी कागजात जमा किए। पंढरीनाथ थाना पुलिस ने शनिवार को इस मामले में केस दर्ज किया है।

घटना

आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसायटी के सचिव अनिल संघवी की ओर से की गई शिकायत में उन्होंने बताया कि संस्था की जनरल मीटिंग में वर्ष 2016 में उन्हें सचिव और रमेश बदलानी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्होंने संबंधित दस्तावेज सहायक पंजीयक कार्यालय में जमा किए थे।

फर्जी जानकारी देकर तैयार की नई कार्यकारिणी : संघवी के अनुसार, 2016 के बाद संस्था में कोई चुनाव नहीं हुआ। बावजूद इसके, डॉक्टर रमेश बदलानी ने अन्य गैर-सदस्यों के साथ मिलकर फर्जी जानकारी दी और नए सदस्य जोड़कर कार्यकारिणी बना ली। इस दौरान सरकारी सील और पंजीयक के हस्ताक्षर की भी नकल की गई।

दो चुनावी सूचियां, एक फर्जी : 16 जनवरी 2021 को संस्था की दो अलग-अलग चुनावी सूचियां तैयार की गईं।एक सूची पंजीयक कार्यालय में जमा हुई जबकि दूसरी में फर्जी सील लगाकर अन्य सरकारी कार्यालयों में प्रस्तुत की गई।

हाईकोर्ट में हुआ खुलासा

बाद में डॉक्टर आनंद राय की रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान सोसायटी की अध्यक्ष श्वेता चौकसे और अन्य सदस्यों ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी कि संस्था में कोई वैध चुनाव नहीं हुआ था, लेकिन फर्जी दस्तावेज तैयार कर पदभार सौंपा गया।

भोपाल तक की गई शिकायत, केस दर्ज

अनिल संघवी ने भोपाल सहित अन्य कार्यालयों में भी शिकायत दी थी।पुलिस ने जांच के बाद श्वेता चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, पूजा चौकसे, आशीष जायसवाल सहित अन्य 20 से अधिक लोगों के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज बनाने और उनके दुरुपयोग का मामला दर्ज किया है।मामले की जांच जारी है।

निपानिया तालाब पर श्रमदान कर जल संरक्षण-संवर्धन की शपथ ली

संवाददाता ● इंदौर

जल-गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविवार को नगर निगम द्वारा निपानिया तालाब पर विशेष श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त शिवम वर्मा ने जनसमुदाय को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रारंभ किए गए इस अभियान में नगर निगम इंदौर के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, क्षेत्रीय वार्ड पार्षद सुरेश कुरवाडे, मंत्री प्रतिनिधि, निपानिया रहवासी संस्था के प्रतिनिधि तथा स्वान संस्था के सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर तालाब की सफाई, श्रमदान तथा जल संसाधनों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निपानिया तालाब के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण हेतु जारी किए गए टेंडरों की जानकारी नागरिकों को दी गई तथा

अभियान

आसपास की खाली जगहों पर होगा पौधारोपण

आगामी कार्यों की रूपरेखा से भी अवगत कराया गया। प्रस्तावित कार्यों में वर्षा जल को किस प्रकार से सहजने की जानकारी के साथ ही प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, मार्ग निर्माण तथा हरियाली बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं। इसके साथ ही वर्मा ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि निपानिया तालाब के पास स्थित मुक्तिधाम का नवनिर्माण कर उसे एक आदर्श स्वरूप प्रदान किया जाए। तालाब का विधिवत सीमांकन कर उसके आसपास उपलब्ध रिक्त स्थानों पर वृक्षारोपण करने हेतु भी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

दफ्तर में 46वें स्थापना दिवस पर झंडा फहराकर सभी ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया

भाजपा कार्यकर्ता कभी घबराता नहीं बल्कि लगातार खड़ा रहता है डटकर

संवाददाता ● इंदौर

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस जावरा कंपाउंड स्थित कार्यालय में मनाया गया। इस मौके पर पार्टी का झंडा फहराकर कार्यकर्ताओं को मिष्ठान वितरण भी किया गया। सभी ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर र स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कभी घबराता नहीं बल्कि लगातार डटकर खड़ा रहता है। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि हमारी पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई लेकिन 1951 में जब हमारा दल जन संघ स्थापित हुआ तो उस समय हमारा दल तेजी से आगे बढ़ रहा था लेकिन हमारे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और उसके बाद फिर हम एक बार खड़े हुए और जो हमारे दूसरे राष्ट्रीय अध्यक्ष थे उनकी भी रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी जाती है। उसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा मीसा लगा दी जाती है। इसके बाद भी हमारे संगठन के कार्यकर्ता घबराते नहीं है और लगातार डट कर खड़े रहते हैं और उसका एकमात्र कारण यही है कि हमारी पार्टी और संगठन एक कार्यकर्ता आधारित दल है जो की कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करता है। हमारी पार्टी एक ऐसा दल है, जिसका कार्यकर्ता प्रधानमंत्री बनता है, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष बनता है और पार्टी के सभी दायित्वों का निर्वहन करता है ।

वितरण

हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल – इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगठन के 46वें स्थापना दिवस की सभी कार्यकर्ताओं को बधाई और कहा कि हम सभी बहुत भाग्यशाली है कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य हैं। हमने 21 अक्टूबर 1951 जनसंघ से लेकर एक लंबी लड़ाई लड़ी है और आज हमारा दल एक बेहतर मुकाम पर है।

पहले राष्ट्र, फिर पार्टी और फिर व्यक्ति

- सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि भाजपा के पूजनीय दीनदयालजी के उद्देश्य को लेकर अंत्योदय योजना प्रारंभ की थी। वही केंद्र सरकार, राज्य सरकार और हमारा इंदौर का नगर निगम सभी मिलकर समाज के हर अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि देश में इन 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 26 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी पार्ती का सदैव मूल मंत्र रहा है ---पहले राष्ट्र फिर पार्ती और फिर व्यक्ति इसी मूल मंत्र को लेकर हम आगे बढ़ने वाले हैं और आने वाले दिनों में अन्य भी गई कार्यक्रम स्थापना दिवस के पखवाड़े के दौरान आयोजित हो रहे हैं। हमें इन सभी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना है और इन कार्यक्रमों को सफल बनाना है।

संपादकीय

भारत कुमार के जाने के मायने

एक ऐसे समय में जब बॉलीवुड में देशप्रेम, देशभक्ति और राष्ट्र नायकों पर फिल्म बनाने का दौर चल रहा है और इसमें कुछ फिल्मे राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल कर रही हैं, तब मनोज कुमार यानी भारत कुमार का चले जाना बताता है कि किस तरह देशप्रेम पर फिल्में बनाई जा सकती हैं और मानवीय रिश्तों की गरिमा बरकरार रखा जा सकता है। भारतीय मूल्यों और आदर्शों और संस्कारों को उन्हें अपनी फिल्मों के छोटे छोटे मार्मिक प्रसंगों के जरिए जिस तरह से रचा-फिल्माया, वह आज भी एक मिसाल है। जब फिल्मों के जरिए एक तरह की आक्रामकता, उन्माद और एकरंगी राष्ट्रप्रेम का बोलबाला है, तब मनोज कुमार की फिल्में बताती हैं कि आम जनता का छू जाने वाला देश प्रेम, देशभक्ति और क्रांति के असल मायने क्या हो सकते हैं।

मनोज कुमार यानी भारत कुमार की फिल्मों को देशभक्ति के एक बहुत ही रूढ़ अर्थों में सीमित कर दिया था क्योंकि देशभक्ति को जिस बड़बोलेपन और वाचाल और आक्रामक ढंग से आज फिल्माया जा रहा है, उससे बिलकुल अलग वे अपनी फिल्मों में महान बातों को कहने के बजाय जीवन से जुड़ी, जीवन में धंसी और जीवन से ही उगी बातों को इस तरह से मार्मिक प्रसंगों और संवादों से अभिव्यक्त करते रहे हैं जिसमें ना केवल मानवी गरिमा के दर्शन होते हैं बल्कि इसमें हर चरित्र की गरिमा का ध्यान रखा गया है। उनकी फिल्मों में तो खलनायक भी उतना बर्बर नहीं दिखाई देता और अंतत उस खलनायक का अलग अलग स्तरों पर हृदय परिवर्तन होता रहता है। इस तरह वे गांधी का नाम जपने के बजाय गांधी के उदात्त विचारों को अपनी फिल्मों के प्रसंगों में अंतर्निहित संवेदनाओं से जता जाते हैं। हम उनकी फिल्में शहीद, उपकार याद रखते हैं, हम उनकी क्रांति को याद रखते हैं लेकिन वे पूरब-पश्चिम, रोटी, कपड़ा, मकान, संन्यासी और बेईमान के जरिए जो बात कह जाते हैं, वह भी देशप्रेम, देशबभक्ति के स्पर्श से स्पंदित रहती हैं क्योंकि व् एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में भारतीय मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों को अपनी फिल्मों के चुनिंदा चरित्रों के जरिए अभिव्यक्त करते रहे हैं। उनकी फिल्मों में चित्रित जीवन उदार और उदात्त है, उनकी फिल्मों के चरित्र प्रेम में हैं लेकिन निस्वार्थ हैं, तमाम तरह की क्षुद्रताओं और कुटिलताओं से दूर वे त्याग, संवेदनशीलता और आदर्शों से लिपटे हैं। उनमें अपने मूल्यों और आदर्शों के लिए सब कुछ न्यौछावर कर देने की भावना हमेशा किसी नीले मसमंद की उज्जवल और धवल और रौशनी भरी लहरों की तरह हिलोरें मारती रहती हैं। और यदि लालच और स्वार्थ में यदि कोई चरित्र भटकता भी है तो वह दूसरे चरित्रों के त्याग और आदर्श और निस्वार्थ प्रेम के समक्ष नतमस्तक हो जाता है और उसका हृदय परिवर्तन हो जाता है। उनकी फिल्में इसीलिए देशभक्ति और देशप्रेम के रूढ़ अर्थों से अलग भारतीय आत्मा के उदात्त विचारों से स्पंदित हैं। निश्चित ही इसके लिए वे अपनी फिल्मों में तमाम लोकप्रिय तत्वों का बहुत ही संतुलित और कल्पनाशाली और विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हैं। उनकी फिल्मों महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के विचारों को अपना माध्यम में कितने संवेदनशील ढंग से ढाल कर आम जनता के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है, यह मनोज कुमार बताते हैं। फैशन जैसी फ्लाफ फिल्मों से अपने कॅरियर शुरुआत करने वाला यह मासूम चेहरे वाला संवेदशील अभिनेता जितना प्रभावी कैमरे के आग रहा, उतना ही वह कैमरे के पीछे भी कल्पनाशील और प्रभावी रहा। दोनों स्तरों पर मनोज कुमार ने अपनी प्रतिभा के भिन्न आयाम प्रकट किए वह उन्हें राज कपूर जैसे अभिनेता की परंपरा में खड़ा करता है। मनोज कुमार की फिल्में एक साथ मनोरंजनक और मानवीय सरोकारों और प्रतिबद्धता के लिए भी याद की जाती रहेंगी। निश्चित ही वे यदि आज होते तो नई पीढ़ी के अभिनेताओं, फिल्मकारों को भाषण दिए बिना यह बताते कि आखिर देश प्रेम और देश भक्ति की फिल्में कैसे बनाई जा सकती हैं और किस तरह से मानवीय गरिमा का ध्यान रखा जा सकता है। उनकी फिल्में एक साथ लोकप्रिय, वैचारिक और गंभीर फिल्में हैं जिसमें हम भारतीयता के रूपों को अलग अलग स्तरों पर महसूस कर सकते हैं।

कही-सुनी

• शब्दार्थ | **सूर्यः दिनकर**

दिवाकर, भानु, भास्कर, सूरज।

• कहन | **सीना ठोंक के : पूरे आत्मविश्वास के साथ**

भारत आज पूरी दुनिया के सामने सीना ठोक के प्रगति की कहानी कह रहा।

कविता

ओक्तोवियो पाज

31 मार्च 1914 में जन्में कवि ओक्तोवियो पाज नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हैं। वे भारत में मैक्सिको के राजदूत थे। उनकी किताब मंकी द ग्रामेटियन में हनुमान की मिथकीय अवधारणा की है। उन्होंने काली के स्वरुप को भी विवेचित किया है। 1998 में उनका निधन हुआ ।

अंतिम सुबह

तुम्हारे केश
जंगल में खो गए हैं
तुम्हारे पैर छू रहे हैं मेरे पैर
सोए हुए तुम
रात से भी बड़े लगते हो
लेकिन तुम्हारे सपने
समा जाते हैं इस कमरे के भीतर ही
हम जो छोटे हैं आख़िर हैं कितने बड़े
बाहर गुज़रती है एक टैक्सी
प्रेतों से भरी
पास ही बहने वाली नदी
हमेशा बहती है उल्टी

क्या कल का दिन होगा कुछ और ?
अनुवाद : प्रयाग शुक्ल

ट्रेंडिंग ऑन टॉप

#us

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय समयानुसार बुधवार देर रात को अपने अधिकतर व्यापारिक साझेदारों की तरफ से होने वाले आयात पर टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। ट्रंप ने इन्हें रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक टैरिफ नाम दिया है। अमेरिकी सरकार ने बताया है कि भारत की ओर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों पर 27% का एकसमान टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने अपने व्यापारिक साझेदारों पर 10% से 49% तक का जवाबी टैरिफ लगाने का एलान किया। केडिया सिक्योरिटीज के निदेशक और रिसर्च हेड अजय केडिया ने बताया- भारत ने अमेरिका से आयात होने वाली कई चीजों पर टैरिफ लगाया था। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश थी कि वह भारत पर जवाबी आयात शुल्क लगाएं। इसलिए जो प्रभाव रहेगा, वह हमारे आईटी सेक्टर, टेक्सटाइल, एग्रीकल्चर पर असर पड़ सकता है। अभी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता बाकी है। खासकर मुक्त व्यपार समझौते को लेकर। दूसरी तरफ अगर आयात शुल्क को लेकर बात करें तो हमारी स्थिति बेहतर इसलिए है, क्योंकि हमारे आसपास के देशों और कुछ अन्य निर्यातक देशों पर टैरिफ हमसे भी ज्यादा लगाया गया है। चीन पर ट्रंप प्रशासन ने 54 फीसदी तक टैरिफ लगा दिया है (34 अभी और 20 फीसदी का एलान पहले हुआ)। केडिया के मुताबिक, इस लिहाज से देखा जाए तो आज हमारी स्थिति अन्य निर्यातक देशों से ज्यादा बेहतर है। अपैरल्स और ऑटो के क्षेत्र की बात करें तो हम पर फर्क थोड़ा ज्यादा पड़ेगा, क्योंकि इन क्षेत्रों पर टैरिफ सबसे ज्यादा बढ़ा है। लेकिन अगर प्रतियोगी स्तर पर देखा जाए तो अन्य देशों पर टैरिफ ज्यादा लगा है। लेकिन चूंकि हमारे उत्पादों पर अमेरिका ने आयात शुल्क लगाया है, इसलिए कुछ सेक्टर्स पर प्रभाव तो पड़ा है, क्योंकि अमेरिका में आयात शुल्क लगने के बाद इन चीजों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे आने वाले समय में भारत के निर्यात में कुछ कमी आ सकती है। लेकिन निर्यात में हमारा सबसे बड़ा प्रतियोगी चीन है और वहां टैरिफ का बोझ हमसे ज्यादा रहेगा।

मुद्दा

एक आठ साल की बच्ची बुलडोज़र से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें लेकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को ना रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है।

ये बुलडोज़रों जैसा सख्त अमला

एक आठ साल की बच्ची बुलडोज़र से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें लेकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को ना रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। क़ानून इस बात की भी इजाज़त नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार और उसके आस-पास के घरों को शासन का अमला ज़मींदोज़ कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा 'बुलडोज़र जस्टिस' है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है और किसी एक के अपराध की सज़ा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती।

वर्षा भम्भाणी मिर्ज़ा
वरिष्ठ पत्रकार

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा - 'नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती। ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह क़ानून और मानवता के ख़िलाफ़ है।' कोर्ट ने 'बुलडोज़र न्याय' को बुल्डोज़र अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस-दस लाख रूपए मुआवज़ा देने का भी आदेश दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज़ कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यही है ये लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे गैर क़ानूनी फंडे अपनाने में क्यों लग जाती हैं ? फिर इस तोड़फोड़ का मुआवज़ा देने से भी भागने लगती हैं। प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी के गिराए घर के मामले में उत्तरप्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवज़े की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि नहीं इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को ग़लती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा।

मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोज़र से ढहा दिया। देर शाम नोटिस दिया और अगले दिन सुबह ढहा दिया। जो वीडियो जजों ने देखा वह आठ साल की बच्ची का है जो आग और बुल्डोज़र से अपनी किताबों को बचा रही है वह मार्च 2025 का है। वह दृश्य जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया। उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव पहली कक्षा में पढ़ती है। 24 मार्च को उसने रोज़ की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ़ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस व नगर निगम का अमला उसके घर को ज़मींदोज़ करने में लगा था। बच्ची ने एक रिपोर्टर को बताया कि उसे डर था कि अगर उसकी किताबें जल गई तो दोबारा नहीं मिलेंगी। इसके लिए वह आग में भी चली गई। नाम के मुताबिक यह बच्ची अनन्या (उस जैसा कोई नहीं)ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घर उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोज़र के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आसुओं से विनती करती हैं लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामीर में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है। अफ़सोस प्रशासन के दिल और दिमाग़ भी इन्हीं बुलडोज़रों जैसे सख़्त होते हैं। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं, वे क्यों जनता का दमन करने लगते हैं ?

इंसान तो दुविधा में है इन दिनों लेकिन पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमज़ोर करते हैं, विपक्ष की आवाज़ दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए, कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभार क़ानून बदलकर अपनी ताक़त बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक, सत्ता लंबे वक्त तक बनी रहे। कोई-कोई तो हमेशा के लिए । देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतज़ाम कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी तीसरी बार सत्ता संभाल सकें ऐसा संशोधन चाहते हैं। क़ायदे से वहां एक व्यक्ति केवल दो बार राष्ट्रपति बन सकता है।

> सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा - "नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती। ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह क़ानून और मानवता के ख़िलाफ़ है।"

बुलडोज़र राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोज़र नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं, और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका उस राजनीतिक प्रतीकवाद से बेख़बर नहीं रह सकती जिसमें बुलडोज़र, प्रशासन द्वारा दंगाई बताये गये लोगों को सामूहिक दंड देने का उपकरण बन गया है। बीते साल छह राज्यों में 1933 आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोज़र चले हैं। इनमें सबसे ज़्यादा 1535 कार्रवाइयां उत्तरप्रदेश में हुई हैं। उसके बाद मध्यप्रदेश (259),हरियाणा (64),गुजरात (55),राजस्थान (10)और दिल्ली (10) हैं। उत्तरप्रदेश में 2017 में पहली बार यह बुलडोज़र चला था तब 13 बाहुबलियों के मकान ढहा दिए गए थे । इसके बाद 8 पुलिसकर्मियों की हत्या के गैंगस्टर विकास दुबे की 100 करोड़ से भी ज़्यादा की संपत्ति को मिटटी में मिला दिया गया। त्वरित न्याय का चस्का सत्ता को ऐसा लगा कि फिर विकास दुबे को ही मुठभेड़ में मार दिया गया। कानपुर के बाद यही प्रयागराज में हुआ। इस मामले में अतीक मोहम्मद पुलिस मुठभेड़ में 2023 में मारा गया और उससे पहले 2021 में ही प्रयागराज के इन घरों को मिटटी में मिला दिया गया। एक पल के लिए मान भी लिया जाए कि वे दुर्दांत अपराधी रहे होंगे लेकिन क्या फिर इसी न्याय व्यवस्था को हमारे गणतंत्र की व्यवस्था मान लिया जाए। ऐसी व्यवस्था में बड़े हुए बच्चे कैसे नागरिक बनेंगे। अनन्या यादव अधिकारी बनाना चाहती है लेकिन ऐसे हादसे कैसे उसे सहज और मज़बूत रखेंगे ?

अच्छी बात यही है कि प्रयागराज के छह अपीलकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट ने मुआवज़े का निर्देश दिया है। रहवासी विजय कुमार सिंह का भी घर ढहा दिया गया था। शाम को नोटिस दिया गया और सुबह घर तोड़ दिए गए। इलाहाबाद उच्च न्यायलय से भी कोई रहत नहीं मिली। बेशक वे सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से राहत महसूस कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में वे कहते हैं -'पूंजी जमा कर घर ख़रीदा था,सब मिटटी में मिला दिया गया। अब किराए के घर में रह रहा हूं। उस जगह को देखता हूँ तो बस यही याद आता है मेरा सब कुछ ख़त्म हो गया। अब 46 का हूं और सब दोबारा शुरू कर रहा हूं।' इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष अली अहमद फ़ातमी जिनका घर बुलडोज़र से ढहा दिया था, उनकी लाइब्रेरी और सैकड़ों किताबें भी इस कार्रवाई में ज़मींदोज़ कर दी गईं,वे कहते हैं - 'जिस घर में रह रहे थे, उसका गिरना बहुत दर्दभरा था लेकिन बहुत शुक्रगुज़ार हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इस दर्द को समझा।' वैसे सरकारें संवेदनहीन ही होती हैं, तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोज़र का उपयोग ज़रूरत है, कोई उपलब्धि नहीं।

इति-खास | 05 अप्रैल 1648 : नेपल्स जनता का विद्रोह दबाया

इसी दिन 1648 में नेपल्स में स्पेनिश सेना ने जनता के विद्रोह को कुचल डाला।

सुरक्षा कारणों से रतलाम से लाया गया भोपाल

अंडा सेल में रहेगा NIA का वांटेड कट्टरपंथी फिरोज

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल की केंद्रीय जेल के उच्च सुरक्षा वाले बैरक जिसे अंडा सेल कहा जाता है, उसमें एक और बड़ा कट्टरपंथी और NIA का पांच लाख का वांछित आरोपी लाया गया है। जयपुर सीरियल धमाके की साजिश में शामिल रतलाम निवासी फिरोज को कुछ दिन पहले ही स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह मार्च 2022 से फरार था।

जयपुर NIA ने उस पर पांच लाख का इनाम घोषित किया है। NIA उसे पूछताछ के लिए जल्दी ही प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जयपुर ले जाएगी। NIA अभी नवरात्र और नवदुर्गा पर सभी राज्यों-शहरों में निकलने वाले जूलूस के दौरान पुलिस की अति व्यस्तता के कारण रुकी है।

गिरफ्तार

कट्टरपंथी फिरोज को सुरक्षा कारणों से भोपाल केंद्रीय जेल भेजा गया है, जहां उसे उच्च सुरक्षा वाले अंडा सेल में रखा जा रहा है। यह वही अंडा सेल है, जहां वर्तमान में प्रतिबंधित कट्टरपंथी और आतंकी संगठनों के करीब 69 आतंकी रह रहे हैं। मुंबई के आर्थर रोड जेल और पुणे के यरवडा जेल के अंडा सेल की तर्ज पर ही भोपाल सेंट्रल जेल में हाई रिस्क बंदियों को रखने के लिए एक बैरक बनाई गई है, जो अंडे के आकार की है। इसलिए उसे अंडा सेल कहते हैं।

इस लिए बोलते हैं अंड सेल

अंडा सेल में विशेष प्रशिक्षण प्रप्त जेल प्रहरियों को 24 घंटे तैनात किया जाता है और अधिकारी भी मानीटरिंग करते हैं। इसके साथ ही एक सैकड़ा सीसीटीवी कैमरों पर जेल प्रबंधन अलग से इस बैरक की मानीटरिंग करता है। इस बैरक के अंदर बने कमरों के आकार भी अंडे की तरह के होते हैं, ताकि बंदी के सेल की चारों तरफ से निगरानी की जा सके।

सबसे सुरक्षित मानी जाती है भोपाल जेल

यह पहला मामला नहीं है, जब मध्यप्रदेश में पकड़ाया कट्टरपंथी भोपाल जेल लाया गया है। इसके पहले जबलपुर से पकड़ाए आईएसआईएस, भोपाल में एचयूटी और बांग्लादेशी आतंकी संगठन के जिहादी भी भोपाल सेंट्रल जेल में बंद हैं। खंडवा-बुरहानपुर से लेकर इंदौर और उज्जैन से पकड़ाए सिमी आतंकियों, सिमी का सरगना सफदर नागौरी भी भोपाल सेंट्रल जेल में हैं। भोपाल से लेकर मालवा क्षेत्र के अलग-अलग जिलों से बीते वर्ष गिरफ्तार किए गए NIA के आतंकी भी भोपाल सेंट्रल जेल की इसी हाई सिक्योरिटी बैरक 'अंडा सेल' में ही रखे गए हैं।

इसलिए सुरक्षित मानी जाती है यह बैरक

देशभर के अधिकांश केंद्रीय जेलों में एक उच्च सुरक्षा वाली बैरक होती है, जहां हाई रिस्क वाले आरोपी और बंदी रखे जाते हैं। भोपाल जेल के इस बैरक में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त 81 कर्मचारी-अधिकारी तैनात रहते हैं। इस बात की पूरी सतर्कता रखी जा रही कि बंदियों को ऐसा कुछ भी हासिल नहीं हो सके, जिसका इस्तेमाल वह दूसरों या स्वयं को नुकसान पहुंचाने में कर सकें। यहां तक कि उन्हें जो पाजामा मुहैया कराए गए हैं, उनमें नाड़े सिले हुए हैं। उनमें सिर्फ गठान लगाने का ही विकल्प है।

जेल में कब चर्चा में आया अंडा सेल

वर्ष 2016 में दीपावली की देर रात करीब ढाई-तीन बजे भोपाल केंद्रीय जेल में बंद सिमी के आठ आतंकी एक जेल प्रहरी का गला रेतकर हत्या करने के बाद दीवार फांदकर फरार हो गए थे। सूचना के बाद एटीएस की काउंटर टेररिज्म यूनिट, हॉकफोर्स और भोपाल पुलिस की सर्चिंग के दौरान अचारपुरा की पहाडियों पर सभी आतंकियों को मुठभेड़ में मार दिया गया था। इसके बाद भोपाल के उच्च सुरक्षा बैरक को मुंबई की आर्थर रोड जेल के अंडा सेल की तर्ज पर अपग्रेड किया गया, तबसे कट्टरपंथी और आतंकी इसी बैरक के अंदर अलग-अलग सेल में रखे जा रहे हैं। जेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भोपाल सेंट्रल जेल में प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से जुड़े 32 कैदी शामिल हैं, जो जेल के उच्च सुरक्षा वाले अंडा सेल में बंद हैं।

शॉट न्यूज

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने महिला शिक्षिका को कुचला

ग्वालियर। ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के बेहटा चौकी अंतर्गत ग्राम खेरिया पदमपुर में शनिवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार शिक्षिका को टक्कर मार दी। शिक्षिका स्कूल से पढ़ाकर घर लौट रही थीं। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क पर जाम लगाने की कोशिश की, लेकिन समय रहते पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर के थाटीपुर भीम नगर निवासी 30 वर्षीय चंदन सोनी पत्नी नरेन्द्र सोनी शिक्षिका है। वह बेहटा स्थित शासकीय स्कूल में बतौर टीचर पदस्थ थीं। रोज की तरह शनिवार को वह स्कूल से पढ़ाने के बाद अपने घर के लिए लौट रही थीं।

3 किलो अफीम के साथ पकड़ाए दो आरोपी

रतलाम। रतलाम जिले की नामली थाना पुलिस ने दो बाइक सवारों से 3 किलो अफीम, तीन एंड्राएड फोन जब्त किए है। अफीम की कीमत 7 लाख 50 हजार रुपए है। एसपी अमित कुमार ने बताया मुखबिर की सूचना पर नामली थाना प्रभारी पीआर डावरे ने महू-नीमच फोरलेन स्थित बड़ौदा फंटा पर नाकाबंदी कर बिना नंबर की बाइक पर सवार दो लोगों को पकड़ा। पूछताछ की तो इनके पास से अफीम निकली। तौल कराने पर 3 किलो अफीम पाई गई। पुलिस ने कुशालसिंह (23) पिता सवसिंह चौहान निवासी आनंदगढ़ (आलोट) और गोपालसिंह (32) पिता चत्तरसिंह सोलंकी निवासी अरवलिया सोलंकी आलोट को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत केस दर्ज किया।

उज्जैन में शादी के पहले जेल पहुंचा दूल्हा

उज्जैन। उज्जैन में शादी का झांसा देकर 20 साल की युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को बड़नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की 10 दिन बाद 15 अप्रैल को शादी थी। घर में सब तैयारी हो चुकी थी, लेकिन शादी से पहले पीड़िता के हाथ शादी का कार्ड लगा गया। इसके बाद युवती ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई और उसे शादी से पहले ही जेल भिजवा दिया। बडनगर के डीएसपी महेन्द्र सिंह परमार ने बताया कि, ग्राम पीरझलार निवासी 21 साल के दीपक परिहार पर 20 साल की युवती ने आरोप लगाया है कि, उसके साथ आरोपी दीपक पिछले चार साल से शादी का झांसा देकर कई बार अनैतिक कार्य करता रहा। उसकी शादी का कार्ड हाथ लगा तो पता चला कि दीपक की 15 अप्रैल को शादी होने वाली है। इसके बाद पीड़िता ने बड़नगर थाने पहुंचकर दीपक के खिलाफ 223/25 धारा 64(2) (m), 137(2),87 बीएनएस, 51,6 पाक्सो एक्ट में एफआइआर दर्ज कराई।

रामनवमी पर मोहन सरकार ने मैहर को दी बड़ी सौगात

71 करोड़ की 52 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन-लोकार्पण

संवाददाता ● भोपाल

रामनवमी के मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मैहरवासियों को बड़ी सौगात दी है. सीएम ने लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत के 52 विकास कार्यों की सौगात दी. उन्होंने मैहर में 43 करोड़ 16 लाख रुपये के 38 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 27 करोड़ 83 लाख रुपये के 14 कार्यों का लोकार्पण किया।

सौगात

मैहर को 71 करोड़ रुपये की सौगात - दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार, 6 अप्रैल को मैहर जिले के प्रवास पर हैं. इस दौरान सीएम डॉ. यादव ने यहां लगभग 71 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। सीएम आज दोपहर 12:00 बजे हेलीपैड से मैहर पहुंचे. मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव नवरात्रि पर्व पर मां शारदा देवी की पूजा अर्चना की. इसके बाद बंधा बैरियर में आयोजित आमसभा को संबोधित किए. इस दौरान सीएम कुल 52 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किए. स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल देने के बाद सीएम मोहन यादव आज दोपहर 3:20 बजे रीवा के लिए रवाना हो जाएंगे।

इतने करोड़ के कार्यों का सीएम ने किया भूमिपूजन और लोकार्पण

- 43 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से 38 निर्माण कार्यों का सीएम ने भूमिपूजन किया।
- 27 करोड़ 83 लाख रुपये के 14 कार्यों का लोकार्पण किया।
- मां शारदा लोक का भूमिपूजन।
- मुख्यमंत्री मोहन यादव आज बहुप्रतीक्षित 'मां शारदा लोक' का भी भूमिपूजन किया, यह परियोजना मैहर के धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

MP के आईपीएस में सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी वरुण कपूर की

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना (डीजीपी) से अधिक प्रॉपर्टी उनके मातहतों के पास है। मकवाना के पास भोपाल में एक करोड़ 11 लाख रुपए का एक प्लॉट और एक मकान है, तो स्पेशल डीजी वरुण कपूर के पास 10 करोड़ 51 लाख रुपए की प्रॉपर्टी है। इसमें कृषि भूमि, प्लॉट, मकान और फ्लैट शामिल हैं। यह जानकारी आईपीएस अफसरों द्वारा गृह मंत्रालय को दिए अपनी अचल संपत्ति के ब्योरे में सामने आई है। मध्यप्रदेश में 319 आईपीएस हैं। इनमें से 48 पद खाली हैं। बाकी 271 में से 198 अधिकारियों ने 31 दिसंबर 2024 की स्थिति में अचल संपत्ति की जानकारी भेजी है। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर 55 में से 30 एसपी की प्रॉपर्टी की जानकारी है। इनमें मऊगंज के एसपी दिलीप सोनी के पास सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी है। उनके पास भोपाल, इंदौर और नर्मदापुरम में कृषि भूमि, प्लॉट और मकान मिलाकर 4 करोड़ की संपत्ति है। दैनिक भास्कर ने सभी की प्रॉपर्टी का ब्योरा खंगाला। डीजी उपेंद्र कुमार जैन 8 करोड़ 39 लाख रुपए की प्रॉपर्टी के मालिक हैं। स्पेशल डीजी अजय कुमार शर्मा के पास दिल्ली-भोपाल में 6 करोड़ 15 लाख की संपत्ति है। इसमें फ्लैट, कृषिभूमि, प्लॉट शामिल हैं। इनसे अधिक संपत्ति चंबल रेंज में पदस्थ डीआईजी कुमार सौरभ के पास है। सौरभ 7 करोड़ 15 लाख रुपए की अचल संपत्ति के मालिक हैं। एडीजी लोकायुक्त से हटाए गए जयदीप प्रसाद के पास करीब 5 करोड़ की खेती और आवासीय जमीन और मकान हैं। मध्यप्रदेश के रेंज आईजी और पुलिस कमिश्नरों ने जो जानकारी दी है, उसमें सागर, जबलपुर और रीवा रेंज के आईजी ने अपने पास कोई संपत्ति नहीं होना बताया है। सागर आईजी प्रमोद वर्मा, जबलपुर के प्रभारी आईजी सचिन अतुलकर तथा रीवा आईजी गौरव राजपूत ने संपत्ति का ब्योरा तो दिया है।

6 शहरों में होगा संचालन

472 ई-बसों का टेंडर फाइनल, वेंडर के साथ निकायों का होगा एग्रीमेंट

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को लेकर केंद्र सरकार ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसमें 472 बसों के लिए ग्रीन सेल को फाइनल किया गया है। इस साल के अंत तक प्रदेश के छह शहरों में ई-बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी है। मध्य प्रदेश की सड़कों पर जल्द ही प्रधानमंत्री ई-बसों का संचालन शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, प्रदेश को 552 ई-बसें मिलेंगी, जिनमें से 472 बसों के लिए ग्रीन सेल को फाइनल किया गया है। हालांकि, अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि संबंधित फर्म किस दर पर इन बसों का संचालन करेगी।

संचालन

अब ग्रीन सेल का संबंधित निकायों के साथ अनुबंध होगा। प्रदेश के 6 शहरों में 9 मीटर लंबी ई-बसों का संचालन होगा। इसके लिए संबंधित निकायों में बसों के लिए डिपो का निर्माण और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया जाएगा। इसके बाद, ई-बसें मध्य प्रदेश में आनी शुरू हो जाएंगी। बता दें कि इन बसों का संचालन जीसीसी मॉडल पर होगा। इसमें संबंधित फर्म बस खरीदेगी और उसके ड्राइवर, कंडक्टर, मेंटेनेंस की व्यवस्था भी खुद करेगी। इसके संचालन का प्रति किमी की दर से भुगतान किया जाएगा। इसमें भारत सरकार की तरफ प्रति बस संचालन के लिए प्रति किमी 22 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि बाकी का भुगतान राज्य सरकार करेगी।

प्रदेश को 552 ई-बसें मिलेंगी

मध्य प्रदेश को कुल 552 ई-बसें मिलेंगी, जो इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर और सागर शहरों में चलाई जाएंगी। इनमें इंदौर को 150 बसें, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन को 100-100, ग्वालियर को 70 और सागर को 32 बसें दी जाएंगी। बता दें कि नेशनल इलेक्ट्रिक बस प्रोग्राम के तहत, केंद्र सरकार ने मई 2022 में 50,000 इलेक्ट्रिक बसों की योजना बनाई थी। पिछले साल, हरियाणा, कर्नाटका और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने इन बसों की आपूर्ति के लिए केंद्र द्वारा टेंडर जारी किए थे, लेकिन इन राज्यों को अब तक बसों की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

निशातपुरा स्टेशन शुरू होने के बाद मालवा नहीं आएगी भोपाल

संवाददाता ● इंदौर

भोपाल में पॉड होटल को यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी को देखते हुए अब इसे रानी कमलापति (RKMP), संत हिरदाराम नगर और सीहोर में भी शुरू किया जाएगा। निशातपुरा रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यहां से मालवा एक्सप्रेस को रवाना किया जाएगा। बता दें कि 5 अप्रैल को भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर स्थित बिल्डिंग में पॉड होटल की शुरुआत की गई है। जिसका उद्घाटन डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी और सांसद आलोक शर्मा ने किया।

रवाना

इन स्टेशनों पर भी शुरू होंगे पॉड होटल

भोपाल रेलवे स्टेशन पर शुरू किए गए पॉड होटल को यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसे ध्यान में रखते हुए अब यह सुविधा रानी कमलापति स्टेशन (RKMP), संत हिरदाराम नगर और सीहोर स्टेशन पर भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन होटलों में यात्रियों के ठहरने के साथ-साथ सिर्फ 200 रुपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था भी होगी।

क्या है पॉड होटल?

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान से प्रेरित अवधारणा है। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल इकाइयों में यात्रियों को ठहरने की सुविधा दी जाती है, जो कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं प्रदान करती हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यह सुविधा यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की जा रही है, जिसकी योजना 20 अक्टूबर 2019 को शुरू हुई थी और लगभग 6 साल बाद यह यात्रियों के लिए उपलब्ध हो रही है।

निशातपुरा रेलवे स्टेशन बनकर तैयार, जल्द होगा शुभारंभ

सांसद आलोक शर्मा ने जानकारी दी कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है। उन्होंने हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि इसके उद्घाटन की तिथि जल्द घोषित की जाए, ताकि भोपाल को एक और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन की सौगात मिल सके। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि अगर मेट्रो परियोजना के चलते यात्रियों को कोई असुविधा हो रही है, तो वह स्वयं प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे और DRM (डिविजनल रेलवे मैनेजर) से बात करके समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्री हित सर्वोपरि है और कोई भी परेशानी नजर आई तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। शर्मा ने बताया कि भोपाल में पॉड होटल को यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी को देखते हुए अब इसे रानी कमलापति (RKMP), संत हिरदाराम नगर और सीहोर में भी शुरू किया जाएगा। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए मात्र 200 रुपए से शुरू होने वाली आरामदायक और किफायती ठहरने की सुविधा का शुभारंभ हो गया। भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर प्रदेश के पहले पॉड होटल का उद्घाटन सांसद आलोक शर्मा और डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी ने किया।

एमपी में राजस्थान से सटे जिलों में चलेगी लू

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में धूप लगातार तीखी और हवा गर्म होती जा रही है। 7 अप्रैल से राजस्थान से जुड़े एमपी के कुछ जिलों में लू भी चलेगी। वहीं, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से 9 अप्रैल को सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, प्रदेश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्से में लू का अलर्ट भी है। मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- पिछले दिनों एक्टिव रहा ओले-बारिश का सिस्टम आगे बढ़ गया है। इससे मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ गई है। 7 अप्रैल से राजस्थान से जुड़े जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। 8 अप्रैल को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने का अनुमान है। इसकी वजह से पूर्वी हिस्से में मौसम बदला रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी और पांढुर्णा में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं, सिवनी में 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। शनिवार को नर्मदापुरम प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां सीजन में पहली बार पारा 42.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसी तरह खजुराहो (छतरपुर) में 41.6 डिग्री, रतलाम में 41.5 डिग्री, दमोह में 40.5 डिग्री, धार में 40.1 डिग्री, मंडला, सागर और सतना में पारा 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 39 डिग्री, इंदौर में 38.8 डिग्री, ग्वालियर में 38 डिग्री, उज्जैन में 39.4 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

आवाज देते ही शवकों के साथ आई ज्वाला, हैरान कर देंगी तस्वीरें

जंगल में चीतों को परात में पानी पिलाया

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में चीतों का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में मादा चीता ज्वाला अपने चार शावकों के साथ पानी पीती दिख रही है। यह पानी उसे चीता मित्र की ओर से पिलाया गया, इस दौरान चीता फैमिली बेहद दोस्ताना माहौल में पानी पीती नजर आ रही है।

वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में इंसान और चीतों का अनोखा रिश्ता साफ नजर आ रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि चीता मित्र सत्तू गुर्जर हाथ में परात और एक पानी की केन लेकर आता है। वह केन से परात में पानी भरता है और शिकार के बाद पेड़ के नीचे बैठकर अपने शवकों के साथ आराम कर रही ज्वाला को आवाज देता है। वह चीतों को अंग्रेजी में 'COME' कहकर बुलाता है, यह सुनते ही ज्वाला और उसके चारों शवक तुरंत उसके पास पहुंच जाते हैं और परात से पानी पीते हैं। बताया जा रहा है कि इससे कुछ देर पहले ही चीता फैमिली ने बकरियों का शिकार किया था।

पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आए

दरअसल, डेढ़ महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावक पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आए हैं। उन्हें वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखा गया। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे।

चीते समझ रहे कमांड

बताया जा रहा है कि मॉनिटरिंग टीम के साथ चीतों की सुरक्षा में लगे चीता मित्र अब चीतों को पहचानने लगे हैं। साथ ही चीते भी उनकी COME और GO जैसी कमांड समझने लगे हैं। इसी कारण चीता मित्र सत्तू गुर्जर ने परात में पानी रखकर COME की अवाज लगाई तो ज्वाला अपने शावकों के साथ वहां पहुंच गई।

दरसअल, वर्तमान में कूनो के खुले जंगल में 17 चीते विचरण कर रहे हैं। ये चीते लगातार अपना क्षेत्र बढ़ा रहे हैं और शिकार भी कर रहे हैं। बीतें कुछ दिनों में चीतों की गतिविधियों के कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें चीते कभी हिरणों के झुंड का शिकार करते दिखे तो कभी बकरियों पर हमला करते नजर आए थे। करीब 13 दिन पहले कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकले 5 चीतों पर ग्रामीणों ने लाठी, डंडों और पत्थरों से हमला भी कर दिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ग्रामीणों से चीतों से दूर रहने की अपील करती रही, लेकिन वे नहीं माने।

करण जौहर ने Kar Gayi Chull गाने में रवीना टंडन का नाम जोड़ने से पहले मांगी थी इजाजत

रवीना टंडन का नाम बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल किया जाता है। डेब्यू फिल्म से ही उन्होंने लोगों के दिल को जीतने में सफलता हासिल की थी। हाल ही में उनकी बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। हालांकि, उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित नहीं हो पाई। रवीना की पॉपुलैरिटी का यह आलम है कि कुछ गानों में उनके नाम का इस्तेमाल भी किया गया है। इसमें एक करण जौहर की फिल्म के सॉन्ग का नाम भी शामिल है। रवीना टंडन ने हाल ही में खुलासा किया कि करण जौहर ने एक सॉन्ग में उनका नाम इस्तेमाल करने से पहले परमिशन मांगी थी। इसके लिए करण ने एक्ट्रेस को फोन किया और रवीना ने जो जवाब दिया वो आपको जरूर जानना चाहिए। आलिया भट्ट के फैंस जानते होंगे कि साल 2016 में उनकी एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसका नाम कपूर एंड सन्स था। इसका एक पार्टी सॉन्ग सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहात था। इसका नाम है, 'कर गई चुल।' रवीना के फैंस जानते हैं कि बादशाह और नेहा कक्कड़ के गाए हुए इस सॉन्ग में एक्ट्रेस के नाम का इस्तेमाल किया गया था। रवीना टंडन ने इस फिल्म के रिलीज होने के करीब 10 साल बाद खुलासा किया है कि इसमें उनका नाम इस्तेमाल करने से पहले करण जौहर ने उनसे परमिशन ली थी। इंडियन आइडल शो में रवीना ने खुलासा किया कि 'मुझे याद है, करण ने मुझे कॉल किया। उन्होंने कहा, 'मैं तुम्हारी परमिशन चाहता हूं तुम्हारा नाम एक गाने में इस्तेमाल करने के लिए।' जैसे ही मैंने इस बारे में सुना, तो मुझे सच में अच्छा लगा और मैंने उन्हें तुरंत हां कह दिया।' रवीना ने आगे बताया कि इसके बाद भी करण जौहर थोड़ा विचार में पड़े हुए थे, उन्होंने पूछा कि अनिल को इससे कोई समस्या नहीं होगी। इसके बाद करण ने उन्हें गाने की पहली दो लाइन सुनाई, जो उन्हें अच्छी लगी और उन्होंने कहा कि मुझे यह सॉन्ग काफी अच्छा लगा।

जैकलीन फर्नांडिस की मां किम फर्नांडिस का निधन

जैकलीन फर्नांडिस की मां किम फर्नांडिस का आज सुबह निधन हो गया है। उनकी मां बीते कई दिनों से मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थीं। 24 मार्च को जैकलीन की मां किम को हार्ट स्ट्रोक आया था, जिसके बाद उन्हें इमरजेंसी में मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। उनकी हालत लगातार क्रिटिकल बनी हुई थी। जैकलीन तब से ही काम से ब्रेक लेकर लगातार अस्पताल के चक्कर काट रही थीं। कई मौकों पर उन्हें हॉस्पिटल में स्पॉट किया गया था। जैकलीन फर्नांडिस को कुछ समय पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग में परफॉर्मेंस देनी थी। उनकी परफॉर्मेंस 26 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर के बीच हुए मुकाबले की ओपनिंग में होनी थी। इसकी सारी तैयारियां भी हो चुकी थीं, लेकिन मां को हार्ट स्ट्रोक आने के बाद जैकलीन ने आईपीएल में परफॉर्म करने से इनकार कर दिया था।

इधर 1000 करोड़ी फिल्म आई भी नहीं, उधर प्रियंका को मिल गई अल्लू अर्जुन की फिल्म!

साउथ और बॉलीवुड वाले मिलकर कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं। लंबे वक्त से हिंदी सिनेमा से दूर प्रियंका चोपड़ा इस समय राजामौली की फिल्म SSMB29 पर काम कर रही हैं। महेश बाबू के अपोजिट वो दिखेंगी। एक्ट्रेस का नेगेटिव रोल होने वाला है। हाल ही में एक शेड्यूल खत्म कर वो बेटी से वापस मिलने लौटी हैं। इसी बीच खबर है कि उन्हें अल्लू अर्जुन की फिल्म मिल गई है। साउथ और बॉलीवुड वाले मिलकर कई बड़ी फिल्में बना रहे हैं। जिसमें से राजामौली और महेश बाबू की पिक्चर SSMB29 सबसे ज्यादा चर्चा में है। फिल्म का बजट 1000 करोड़ से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यूं तो फिल्म के कई शेड्यूल पूरे हो चुके हैं। लेकिन मेकर्स सबकुछ छिपाकर रखना चाहते हैं। यहां तक कि फिल्म का अनाउंसमेंट भी नहीं किया गया है। महेश बाबू के अपोजिट प्रियंका चोपड़ा काम कर रही हैं। इसी बीच पता लगा कि उन्हें अल्लू अर्जुन की फिल्म में काम मिल गया है।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' ने बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया था। दुनियाभर से 1800 करोड़ से ज्यादा की कमाई हुई थी। इसी बीच उनके खाते में दो बड़ी फिल्में आ गई हैं। पहली त्रिविक्रम श्रीनिवास और दूसरी एटली के साथ होगी। हालांकि, एटली की फिल्म तो लंबे वक्त से चर्चा में है। हाल ही में बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड पर एक खबर छपी। इसके मुताबिक, एटली अपनी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा को लेना चाहते हैं। इस हाई बजट एक्शन फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा बतौर फीमेल लीड परफेक्ट हैं। दरअसल डायरेक्टर को लगता है कि प्रियंका का ग्लोबल स्टारडम उन्हें फिल्म के लिए फिट बनाता है। यूं तो फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने अबतक हामी नहीं भरी है, लेकिन ऐसा होता है तो यह बड़ा कोलैबरेशन होगा। एटली लंबे वक्त से इस फिल्म पर काम कर रहे हैं। उन्होंने शाहरुख खान की 'जवान' में काम किया था। वहीं, तब से ही सलमान खान के साथ फिल्म को लेकर बातचीत चल रही थी। पर वहां मामला बन नहीं पाया। ऐसे में अब अल्लू अर्जुन के साथ मिलकर फिल्म पर काम किया जा रहा है।

मेगा बॉक्स ऑफिस क्लैश पर भी चादर ताने सो रहे ऋतिक के फैंस

बोले- 'वॉर 2 पहले ही ब्लॉकबस्टर है'

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन की फिल्म का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' से होगा। हाल ही में 'कुली' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट पर अपडेट दिया। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कुली' 14 अगस्त 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' भी रिलीज होगी। इस मेगा क्लैश में कौन सी फिल्म बाजी मारेगी यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल जान लेते हैं कि बॉक्स ऑफिस के इस महामुकाबले पर नेटिजन्स क्या कह रहे हैं? 'कुली' और 'वॉर 2' के क्लैश की खबर ने सोशल मीडिया पर कॉलीवुड वर्सेज बॉलीवुड की बहस को छेड़ दिया है। सुपरस्टार रजनीकांत और ऋतिक रोशन दोनों के ही फैंस की प्रतिक्रिया आ रही है। एक तरफ रजनीकांत के प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। वे थलाइवा की फिल्म के लिए खुशी जता रहे हैं। तो दूसरी तरफ ऋतिक के फैंस भी कम नहीं पड़ रहे। रजनीकांत जैसे सुपरस्टार की फिल्म से मुकाबले के बावजूद ऋतिक के फैंस के चेहरे पर शिकन तक नहीं है। अधिकांश यूजर्स की प्रतिक्रिया सकारात्मक आ रही है और वे आश्वस्त हैं कि वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन करेगी। कुछ नेटिजन्स ने तो 'वॉर 2' के ब्लॉकबस्टर होने का दावा तक कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स इस क्लैश को अनावश्यक बता रहे हैं। फिल्म 'वॉर 2' 2019 में आई ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर स्टारर 'वॉर' की अगली कड़ी है। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के साथ जूनियर एनटीआर इस बार दो-दो हाथ करते दिखेंगे। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन और एडवेंचर देखने को मिलेगा। फिल्म के निर्देशन का जिम्मा अयान मुखर्जी ने संभाला है। ऋतिक रोशन के फैंस ने 'वॉर' फिल्म के कलेक्शन का हवाला देते हुए 'वॉर 2' के [illegible] सुपरहिट होने की उम्मीद जताई है।

रेड हॉट जालीदार बैकलेस ड्रेस में हिना खान दिखीं कातिलाना, फोटो देख थम गई दिल की

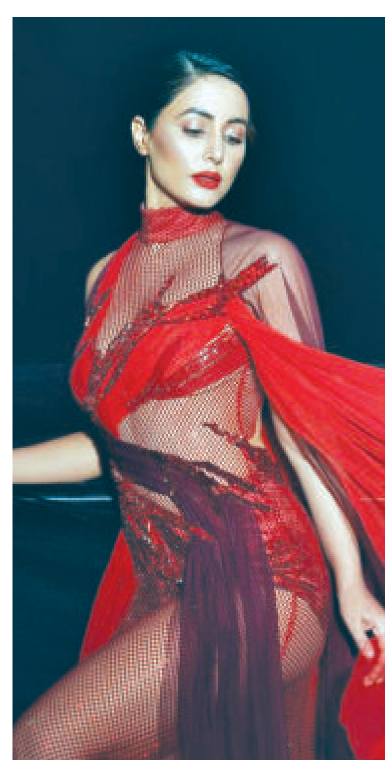

टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से हिना खान ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई। इसके अलावा भी छोटे पर्दे पर उन्होंने कई हिट शोज दिए। एक्ट्रेस कई रियलिटी शोज का हिस्सा भी रह चुकी हैं। सलमान खान के विवादित शो बिग बॉस के 11वें सीजन में वह फिनाले तक पहुंची थीं। इन दिनों एक्ट्रेस कैंसर से जंग लड़ रही हैं और लोगों को लगातार हिम्मत देने का काम कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने कीमोथेरेपी के साइड इफेक्ट के बारे में बताया था। इसके बाद अब उनकी ग्लैमरस लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई है। हिना खान के फैशन सेंस की अक्सर चर्चा होती है। यंग गर्ल्स तो उनके लुक से इंस्पिरेशन भी लेती हैं। वेस्टर्न हो या फिर ट्रेडिशनल आउटफिट हिना हर तरह की ड्रेस में ग्लैमरस दिखने का टैलेंट रखती हैं। पार्टी से लेकर हर इवेंट के लिए लड़कियां उनकी ड्रेस को कॉपी करती हैं। टीवी की ग्लैमरस एक्ट्रेस हिना खान जिस तरह की आउटफिट कैरी करती हैं, वही फैशन बन जाता है। इन दिनों उनकी एक बैकलेस ड्रेस ट्रेंड कर रही है। यह पार्टी परफेक्ट ड्रेस है, जिसमें एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज किसी के भी दिल की धड़कनों को आसानी से बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर उनकी इस ड्रेस की फोटोज खूब वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस की इस ड्रेस की तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। इस जालीदार ड्रेस में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं। अगर आप पार्टी के लिए आउटफिट का चयन नहीं कर पा रही हैं, तो उनकी इस ड्रेस के स्टाइल को कॉपी कर सकती हैं।

इससे ओवरऑल लुक कमाल लगेगा। अगर आप चाहे, तो एक्ट्रेस की तरह बालों का जुड़ा बना सकती हैं। आमतौर पर बैकलेस ड्रेस के साथ ओपन हेयर ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। फिर भी आप चाहे तो बालों को अपने हिसाब से भी स्टाइल कर सकती हैं। छोटे पर्दे की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी इन दिनों सक्रिय नजर आ रही हैं। टीवी पर उन्होंने ये रिश्ता क्या कहलाता है, कसौटी जिंदगी की और बिग बॉस 11 जैसे पॉपुलर शोज में देखा जा चुका है। इसके अलावा एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

'शाहिद कपूर की बीवी घमंडी हैं...'

यूजर का दावा- होटल स्टाफ से 1500 के लिए लड़ीं मीरा राजपूत, कॉलेज में ऐसी थीं

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत एक ऐसे कपल हैं जिन्हें लेकर हमेशा बातें होती हैं और उनके अरेंज मैरेज की भी खूब तारीफ होती है। दोनों ने 7 जुलाई, 2015 को शादी की और 13 साल की उम्र के अंतर के बावजूद उन्होंने सभी के लिए एक ऊंचा बार सेट कर दिया है। मीरा एक हाउसवाइफ हैं और दो बच्चों- मीशा और ज़ैन कपूर की मां हैं। वह शाहिद की सबसे बड़ी सपोर्टर रही हैं लेकिन हाल ही में एक रेडिटर ने शेयर किया कि मीरा घमंडी और अहंकारी हैं। नेटिजन ने 'जर्सी' के प्रमोशन के दौरान 1,500 बिल को लेकर होटल के कर्मचारियों के साथ उनके असभ्य व्यवहार के कई उदाहरण शेयर किए। साल 2017 में शाहिद कपूर ने कॉफी विद करण के सेट पर मीरा राजपूत को अपनी बेटर हाफ के तौर पर पेश किया था। Reddit पर एक नेटिजन ने पुष्टि की कि मीरा घमंडी हैं, वो गैलरी बूथ के इंडिया आर्ट फ़ेयर में काम करता था और मीरा भी वहां थीं। लड़के ने आगे बताया कि दोनों ने एक-दूसरे को देखा और Redditor हंसा लेकिन जिस तरह से मीरा ने अपनी आंखें घुमाईं, ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने कुछ देख लिया हो। ये यूजर मीरा के साथ लेडी श्री राम कॉलेज में था और उन्हें घमंडी और दुष्ट कहा। उसने कहा कि वह उन लड़कियों का मज़ाक उड़ाती थी जो गरीब थीं। उनके कपड़ों, बालों और अंग्रेजी लहजे का मज़ाक उड़ाती थीं। नेटिजन ने आगे कहा, 'मीरा के घमंडी होने की पुष्टि कर सकता हूं। मेरी दोस्त दिल्ली एरोसिटी के एक फाइव स्टार होटल में काम करती थी। मीरा और शाहिद वहां जर्सी फ़िल्म की स्क्रीनिंग के लिए रुके थे। उसने मुझे बताया कि मीरा ने 15,00 रुपये के बिल के लिए होटल के कर्मचारियों से लड़ाई की थी और वहां रहने के दौरान बेहद बदतमीज़ी से पेश आईं जबकि शाहिद विनम्र थे और उन्होंने कर्मचारियों के साथ सेल्फी भी ली।' उसने आगे कहा, 'मेरे सबसे अच्छे दोस्त की गर्लफ्रेंड कॉलेज में उसके साथ ही थी। मीरा बहुत घमंडी है। उसे लगा कि शाहिद से शादी करके उसे सबसे बढ़िया बैग मिल रहा है और उसने इसका इस्तेमाल लोगों को नीचा दिखाने के लिए किया।'

जैस्मिन भसीन और एली गोनी इसी साल करेंगे शादी? एक्ट्रेस ने वेडिंग प्लानिंग पर तोड़ी चुप्पी

एली गोनी और जैस्मिन भसीन टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वे कब शादी करेंगे। दोनों करीब पांच साल से साथ हैं और 'बिग बॉस 14' में उनके रिश्ते का खुलासा हुआ था। तब से लेकर अब तक यह जोड़ी एक-दूसरे को डेट कर रही हैं। तभी से फैंस उनकी शादी की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, समय-समय पर उनकी शादी को लेकर भी अफवाहें सामने आती रहती हैं। इन सब खबरों के बीच अब एक्ट्रेस ने अपनी वेडिंग प्लानिंग को लेकर खुलासा किया है। हाल ही में, एक्ट्रेस कृष्णा मुखर्जी ने हिंट दिया था कि एली और जैस्मिन 2025 में शादी कर सकते हैं। इसके बाद से उनके फॉलोअर्स के बीच वह अपनी शादी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, लेकिन अब जैस्मिन ने आखिरकार इस बारे में खुलकर बात की है। टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में, जैस्मिन ने चल रही अटकलों पर रिएक्ट किया है। उन्होंने कहा, 'जब से हमने यह खबर सुनी है, एली और मैं हंस रहे हैं। मुझे यह भी नहीं पता कि कृष्णा का नाम इससे क्यों जोड़ा जा रहा है। जब भी हम अपनी शादी का प्लान बनाएंगे, हम सभी को इस बारे में बात देंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इस बारे में वैसे भी जल्द ही अच्छी खबर देने वाले हैं। इसलिए, मैं अपने प्रशंसकों से अनुरोध करती हूं कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें। अभी, हम दोनों अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं और इस साल ऐसा कुछ नहीं होगा।' जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि एली और जैस्मिन पहली बार खतरों के खिलाड़ी के सेट पर मिले थे। हालांकि, उनके रिश्ते का खुलासा बिग बॉस 14 के दौरान हुआ था। दोनों अब अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात करते हैं। हालांकि, अभी तक कपल ने अपनी शादी को लेकर कोई पुष्टि नहीं की है।

सबालेंका-जोकोविच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों ने की मांग

ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को अब चाहिए बड़ा इनाम

एजेंसी | वॉशिंगटन

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, अरिना सबालेंका और कोको गॉफ जैसे 20 प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों ने चारो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग की है। इतना ही नहीं, इन दिग्गज और स्टार टेनिस खिलाड़ियों ने उन्हें प्रभावित करने वाले फैसलों में उनकी बात को अधिक तवज्जो देने की मांग की है। इन स्टार्स ने इस संबंध में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रमुखों को पत्र लिखा है। यह पत्र 21 मार्च को लिखा गया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के प्रमुख क्रेग टिली हैं, जबकि फ्रेंच ओपन के प्रमुख स्टीफन मोरेल, विंबलडन के प्रमुख सैली बोल्टन और अमेरिकी ओपन के प्रमुख ल्यू शेर हैं। इन सभी को संबोधित करते हुए खिलाड़ियों ने पत्र में इस महीने होने वाले मैड्रिड ओपन के दौरान अपने प्रतिनिधियों और चारों ग्रैंड स्लैम के प्रमुखों के बीच बैठक करने का भी अनुरोध किया है।

इस पत्र में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष-11 खिलाड़ियों में से केवल एलिना रयबाकिना के इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर (करीब 494 करोड़ रुपये) है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर (करीब 545 करोड़ रुपये) और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 639 करोड़ रुपये) है। इस राशि में से विजेताओं-उपविजेताओं समेत अन्य हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि बांटी जाती है।

होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में होगा

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जाएगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जाएगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरु हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था जिसमें क्रोएशिया के डोना वेकिच और बोर्ना कोरिच चैंपियन बने थे।

कहा- हल्का महसूस कर रहा, मानसिकता में भी हुआ सुधार

कप्तानी छोड़कर खुश हैं जोस बटलर

एजेंसी | अहमदाबाद

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए जोस बटलर को टीम में शामिल करना सही फैसला साबित हुआ है। इस सीजन टीम के दो बल्लेबाज जो फॉर्म में हैं, उनमें साई सुदर्शन के अलावा बटलर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराने में बटलर ने अहम भूमिका निभाई थी। वह तीन पारियों में 83 की औसत और करीब 173 के स्ट्राइक रेट से 166 रन बना चुके हैं। बटलर ने कहा कि इसमें इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ने के फैसले ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा है कि वह कप्तानी छोड़कर खुश हैं और अच्छी मानसिकता के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं।

बटलर ने कहा कि अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद वह हल्का महसूस कर रहे हैं और आईपीएल में खुलकर खेल रहे हैं। इंग्लैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद बटलर ने कप्तानी छोड़ दी थी। वह इस दौरान खुद ही रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। हालांकि, आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक तीन पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं।

बटलर ने कहा, 'मैं निश्चित तौर पर काफी हल्का महसूस कर रहा हूं। कप्तान के रूप में जब आप अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करते हो तो आप पर इसका दबाव पड़ता है तथा आप चीजों को सही करने के लिए अपना काफी समय और ऊर्जा लगाते हो, लेकिन अब कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद मैं काफी सहज महसूस कर रहा हूं। अब मैं अपना पूरा ध्यान अपने खेल पर लगा सकता हूं।'

बटलर टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते रहे हैं लेकिन हाल में वह इंग्लैंड और अब आईपीएल में गुजरात की तरफ से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने को लेकर सहज हूं। मैंने हाल में इंग्लैंड की तरफ से भी इस नंबर पर बल्लेबाजी की थी और मैं सलामी बल्लेबाज के रूप मेंअपने अनुभव का इस्तेमाल कर रहा हूं।'

बटलर ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व कौशल और साईं सुदर्शन की बल्लेबाजी की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा, 'गिल शानदार कप्तान है। उसके पास नेतृत्व

कौशल के अच्छे गुण हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करता है। वह सभी के साथ मिलकर रहता है। मैं वास्तव में उसकी कप्तानी में खेलने का आनंद ले रहा हूं।' सुदर्शन के बारे में बटलर ने कहा, 'साई वास्तव में प्रभावशाली बल्लेबाज है। वह बेहतरीन खिलाड़ी है। मैं जानता था कि वह अच्छा खिलाड़ी है लेकिन जब आपको करीब से देखने का मौका मिलता है अब आप सही आकलन कर सकते हैं। वह शानदार बल्लेबाज है और उसका भविष्य उज्ज्वल है।'

विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों को चेताया

'हर्बल सप्लीमेंट को लेकर रहें सतर्क'

पटियाला। शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने पटियाला के नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में हाल में संपन्न हुए एक सम्मेलन में खिलाड़ियों को 'हर्बल सप्लीमेंट' के सेवन में लापरवाही बरतने के प्रति चेतावनी दी। दो दिन के सेमीनार में 'हार्मोनाइजिंग मूवमेंट : शानदार प्रदर्शन के लिए योग को खेल विज्ञान के साथ एकीकृत करने' के बारे में खेल विज्ञान के कई विषयों पर चर्चा की गई।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के हाई परफोरमेंस निदेशक (एथलेटिक्स) वजीर सिंह फोगाट ने बताया कि एथलीट अकसर ताकत, सहनशक्ति, प्रतिरक्षा और उबरने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए 'हर्बल सप्लीमेंट' का सहारा लेते हैं। साई की एक विज्ञप्ति में फोगाट के हवाले से कहा गया, 'आमतौर पर इन सप्लीमेंट को पारंपरिक तौर पर प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जाता है।'

साई की वैज्ञानिक अधिकारी (पोषण) वाणी भूषणम गोला ने भी अनुचित उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'कई खिलाड़ी सही मार्गदर्शन के बिना 'हर्बल सप्लीमेंट' का सेवन करते हैं जिसके अधिक सेवन के कारण विषाक्तता या हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। वहीं अपर्याप्त सेवन से कोई लाभ नहीं मिलता है।'अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में स्वस्थवृत्त के प्रमुख शिवकुमार हरती ने इस बात पर जोर दिया कि 'हर्बल सप्लीमेंट' में विशिष्ट औषधीय गुण होते हैं और इन्हें एथलीट के व्यक्तिगत लक्ष्यों, ट्रेनिंग के स्तर और उनके शरीर के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए और इन पर निगरानी रखी जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने नींद और योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतबीर सिंह खालसा ने कहा, 'शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की रिकवरी के लिए नींद बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए नींद के बारे में जागरूकता खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

अगले मैच के बाद एंट्री होगी

एमआई के लिए खुशखबरी, जल्द वापसी कर सकते हैं बुमराह

एजेंसी | मुंबई

मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ना सिर्फ शुक्रवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए। बल्कि सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ भी उनका खेलना संदिग्ध है। हालांकि, ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह मैदान पर वापसी करने के करीब हैं। वह जनवरी से ही रिहैब कर रहे हैं।

हाल के दिनों में बुमराह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी गेंदबाजी के वर्कलोड पर काम कर रहे हैं और बताया जा रहा है कि वह फिटनेस टेस्ट के अंतिम दौर में हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम से हरी झंडी

मिलने के बाद बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ जाएंगे और आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। बुमराह वापसी पर सावधानी बरत रहे हैं और एक्शन में आने से पहले सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वह पूरी तरह फिट रहें। मालूम हो कि आईपीएल के 18वें सीजन के बाद भारत को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

जनवरी से चल रहे हैं बाहर

उस वक्त लगा था कि बुमराह आईपीएल में मार्च में होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन अप्रैल में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। बुमराह अब तक मैदान पर वापसी नहीं कर सके हैं। बुमराह जनवरी 2025 से प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेल सके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम मैच में खेले थे। हालांकि, उन्होंने सिर्फ पहली पारी में गेंदबाजी की थी इसके बाद वह आगे नहीं खेल सके थे। बुमराह को शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह हर्षित राणा को मौका दिया गया।

बुमराह का आईपीएल करियर...

बुमराह के आईपीएल करियर की शुरुआत 2013 में मुंबई इंडियंस के साथ हुई जिसमें उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ डेब्यू किया और चार ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट झटके। पिछले 12 वर्षों में बुमराह ने मुंबई के लिए 133 आईपीएल मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 165 विकेट झटके हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चार गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्होंने दो बार मैच में पांच विकेट लिए हैं।

सैकिया बोले- प्रदूषण हर साल नहीं होता

बीसीसीआई ने नवंबर में दिल्ली में टेस्ट मैच कराने का बचाव किया

एजेंसी | मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने नवंबर में दिल्ली में टेस्ट मैच कराने के फैसले का बचाव किया है। बीसीसीआई ने हाल ही में घरेलू सीजन की घोषणा की थी जिसमें भारत वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। इसकी शुरुआत दो अक्टूबर से होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अहमदाबाद और कोलकाता में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। पहला मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर खेला जाएगा। नवंबर के महीने में दिल्ली में टेस्ट कराना प्रशंसकों को समझ नहीं आया और उन्होंने बीसीसीआई के फैसले की आलोचना की। हालांकि, सैकिया ने इस फैसले का बचाव किया और कहा कि सभी हितधारकों से चर्चा करने के बाद ही स्थल तय किए गए हैं।

सैकिया ने कहा, 'हमने सभी चीजों पर विचार किया है और सभी से चर्चा करने के बाद रोटेशन नीति अपनाई है। प्रदूषण की समस्या हर साल नहीं होती।' दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने आश्वासन दिया कि वे खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाएंगे और यह भी बताया कि नवंबर महीने में प्रदूषण का स्तर दिसंबर की तुलना में थोड़ा बेहतर है।

अशोक कुमार ने कहा, डीडीसीए यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा कि टेस्ट मैच खेलते समय खिलाड़ी सहज महसूस करें। साथ ही, अरुण जेटली स्टेडियम अपेक्षाकृत खुले क्षेत्र में स्थित है जिसके आसपास ज्यादा हरियाली है। इसलिए हवा की गुणवत्ता ज्यादातर दूसरे क्षेत्रों की तुलना में बेहतर है। दिल्ली को कुछ समय से टेस्ट मैच आवंटित नहीं किया गया था। बीसीसीआई ने हमें टेस्ट मैच की मेजबानी दी है, इसलिए हमें कैलेंडर के हिसाब से चलना होगा। नवंबर में अगर प्रदूषण होता भी है, तो दिसंबर की तुलना में कम होता है।

2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान हुआ था विवाद

दिल्ली में आखिरी बार टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी 2023 में हुआ था जहां भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, दिसंबर 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हुए मैच में उस वक्त विवाद खड़ा हो गया था जब श्रीलंका के कुछ खिलाड़ियों ने मैच के दौरान सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की थी। इसके कारण विवाद हो रहा था और भारत को अपनी पारी जल्द घोषित करनी पड़ी थी।

वेंकटेश का आलोचकों को जवाब

'23 करोड़ मिलने का मतलब यह नहीं कि हर मैच में रन बनाने होंगे' - अय्यर

एजेंसी | कोलकाता

आईपीएल 2025 में गुरुवार को वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रन से हरा दिया। वेंकटेश ने 29 गेंद में 60 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के साथ ही वेंकटेश ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, शुरुआती दो मैच में वेंकटेश फेल रहे थे। ऐसे में आलोचक उन पर निशाना साध रहे थे कि केकेआर ने उन्हें क्यों ज्यादा दाम पर खरीदा। अब वेंकटेश ने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें 23.75 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने का यह मतलब नहीं है कि उन्हें हर एक मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर है।

केकेआर ने मेगा नीलामी में राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके वेंकटेश को फिर से अपनी टीम से जोड़ा था, लेकिन वह पहले दो मैच में केवल नौ रन बना पाए थे। अब 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश ने कहा, 'मैं झूठ नहीं बोलूंगा, थोड़ा दबाव है। आप लोग इसको लेकर इतनी चर्चा कर रहे हैं, लेकिन (केकेआर में) सबसे अधिक धनराशि पाने वाला खिलाड़ी होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे हर मैच में रन बनाने होंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह इससे जुड़ा है कि मैं टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं और मैं क्या प्रभाव डाल सकता हूं। इसको लेकर दबाव नहीं है कि मुझे कितनी धनराशि मिल रही है या मैं कितने रन बना रहा हूं। मुझ पर इस तरह का दबाव कभी नहीं रहा।' यह पूछे जाने पर कि क्या केकेआर में सबसे अधिक धनराशि पाने वाले खिलाड़ी होने का दबाव आखिरकार हट गया, वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए उल्टा सवाल दाग दिया। उन्होंने कहा, 'आप ही मुझे यह बताएं। मैं आईपीएल के शुरू से कह रहा हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको 20 लाख या 20 करोड़ मिल रहे हैं। मैं टीम का एक खिलाड़ी हूं जो टीम की जीत में योगदान देना चाहता है।'

'कभी-कभी मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा'

वेंकटेश ने कहा, 'कभी-कभी हमें मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा जहां मेरा काम कुछ ओवर खेलना होगा और अगर मैं ऐसा करता हूं और रन नहीं बनाता हूं, तो भी मैंने अपनी टीम के लिए योगदान दिय।' कोलकाता के बल्लेबाज पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उनमें आक्रामकता का अभाव दिखा लेकिन वेंकटेश ने कहा कि उनकी टीम सोची समझी आक्रामकता पर विश्वास करती है।'

बिजनेस

पोको सी71 सेगमेंट के अल्टीमेट ब्लॉकबस्टर ने बाजार में रखा कदम!

एजेंसी | बैंगलोर

परफॉर्मेंस-फोकस्ड टेक ब्रांड पोको ने बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में अपनी नई पेशकश पोको सी 71 लॉन्च कर दी है। बेहतरीन डिस्प्ले, दमदार फीचर्स और अत्याधुनिक परफॉर्मेंस के साथ यह स्मार्टफोन अपने मूल्य वर्ग में एक नई मिसाल कायम करता है।

सिर्फ ₹6,499 में, पोको सी71 सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है जो 6.88 इंच का एचडी+ डिस्प्ले, 120Hz अडेप्टिव रिफ्रेश रेट और TÜV Rheinland ट्रिपल आई प्रोटेक्शन जैसी प्रीमियम विशेषताएं पेश करता है। वेट टच डिस्प्ले तकनीक के साथ यह फोन गीले हाथों या हल्की बारिश में भी सटीक टच रिस्पॉन्स देता है। रिफाइंड, स्टाइलिश कैमरा डेको के साथ स्लीक फ्लैट फ्रेम डिवाइस को एक प्रीमियम लुक और फील देता है, जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे अलग बनाता है।

एक प्रीमियम गोल्डन रिंग कैमरा डेको और बोल्ड, आकर्षक लुक के लिए एक खास स्प्लिट-ग्रिड डिज़ाइन की विशेषता है। केवल 8.26 मिमी पतला होने से यह एक आरामदायक पकड़ प्रदान करता है, जिससे पूरे दिन सहज हैंडलिंग की जा सकती है।

गोल्ड, ब्लू और ब्लैक जैसे तीन शानदार रंगों में उपलब्ध पोको सी71 एक डायनेमिक पैकेज में खूबसूरती और परफॉर्मेंस दोनों प्रदान करता है।

सुकासिरना, पश्चिम जावा, इंडोनेशिया। कुलुवुंग उत्सव के दौरान कार्बाइड और पानी का उपयोग करके विस्फोटक ध्वनि उत्पन्न करने के लिए एक प्रतिभागी पेड़ के तने की तोप को प्रज्वलित करता है, यह नदी के विपरीत किनारों पर स्थित दो गांवों के बीच दो दिवसीय पारंपरिक ध्वनि युद्ध है।

शॉर्ट न्यूज

अब नवीन बाबू की बीजेडी में वक्फ को लेकर बवाल

भुवनेश्वर। वक्फ संशोधन बिल के समर्थन को लेकर नवीन पटनायक की बीजेडी भी दो फाड़ हो गई है। राज्यसभा में इस विधेयक को मंजूरी दिलाने में इस पार्टी के सांसदों की भूमिका काफी अहम रही। हालांकि बीजेडी अपने गृह राज्य ओडिशा में भाजपा के विरोध में खड़ी है। शनिवार को पार्टी के पूर्व मंत्री प्रताप जेना ने बीजेडी के राज्यसभा फ्लोर लीडर सस्मित पात्रा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। जेना ने पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि वक्फ बिल पर पार्टी के आखिरी मिनट में बदले गए रुख के पीछे साजिश है। उन्होंने सस्मित के उस सोशल मीडिया पोस्ट पर सवाल उठाया, जिसमें सस्मित ने कहा था कि बीजेडी के राज्यसभा सांसद इस बिल पर अपनी अंतरात्मा की आवाज के आधार पर फैसला ले सकते हैं।

हरिद्वार में अवैध मजार बुलडोजर से की ध्वस्त

देहरादून । हरिद्वार में अवैध मजारों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। रविवार सुबह प्रशासन की टीम ने सराय क्षेत्र की हरि लोग कॉलोनी में स्थित एक अवैध मजार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान हरिद्वार के एसडीएम अजयवीर सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। एसडीएम अजयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिले में अवैध धार्मिक संरचनाओं को हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। सराय क्षेत्र में बनी इस मजार को अवैध रूप से बनाया गया था, जिसके खिलाफ पहले नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का कोई जवाब न मिलने पर हरिद्वार के जिलाधिकारी ने इसे हटाने का आदेश दिया। प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मजार को गिरा दिया। हरिद्वार के सुमन नगर थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग की जमीन पर यह अवैध मजार बनाई गई थी।

वक्फ बिल पर भ्रम दूर करने में जुटा अल्पसंख्यक मोर्चा

वक्फ कानून के समर्थन में शाहीन बाग में पदयात्रा

एजेंसी ● नई दिल्ली

वक्फ संशोधन विधेयक अब कानून की शक्ल ले चुका है। जेपीसी,फिर लोकसभा और फिर राज्यसभा में कुल 16 घंटे की चर्चा और बाद में पास होने के बाद इसे राष्ट्रपति की तरफ से भी मंजूरी मिल गई है। वक्फ कानून के समर्थन में अब दिल्ली के शाहीन बाग के लोग भी आ गए हैं।

मोर्चा

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि हमारे लोग शाहीन बाग में पदयात्रा कर लोगों से वक्फ के समर्थन में लिखे धन्यवाद पत्रों को एकत्र कर प्रधानमंत्री मोदी को सौंपेंगे। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि मैं शाहीन बाग में वक्फ विधेयक के हमारे समर्थकों से 'धन्यवाद पत्र' इकट्ठा कर रहा हूं। हमारे कार्यकर्ता और संगठन अफवाहों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। मैं इन पत्रों को इकट्ठा कर प्रधानमंत्री मोदी को दूंगा। उन्होंने आगे कहा कि शाहीन बाग को पूरी दुनिया में बदनाम किया

गया,मुसलमानों और इस्लाम को बदनाम करने की कोशिश की गई। जमाल सिद्दीकी ने आगे कहा कि आज इसी शाहीन बाग से हमारे भाई-बहनों ने वक्फ बिल के समर्थन में पीएम मोदी को धन्यवाद पत्र सौंपेंगे। जमील सिद्दीकी ने आगे कहा कि हमें यहां के स्थानीय जिम्मेदार लोगों की ओर से निमंत्रण मिला था। शाहीन बाग के सभी भाई-बहन जो वक्फ के समर्थन में पीएम मोदी को पत्र देना चाहते हैं, उनका हम पत्र लेंगे और पीएम को सौंपेंगे। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बिल पर लंबी चर्चा के बाद इसे दोनों सदनों से पास कर दिया गया और अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद इसे कानून की शक्ल दे दिया गया।

वक्फ बिल से मुस्लिमों का भला होगा : मौलाना बरेलवी

वक्फ संशोधन बिल को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में फैला संशय आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने को दूर कर दिया है। मुस्लिमों के हितों की बात करते हुए बरेलवी मौलाना ने कहा, अब वक्त आ गया है कि वक्फ संशोधन बिल गरीब व कमजोर मुसलमानों के हितों के लिए होगा। वक्फ जमीन से होने वाली आमदनी गरीब मुसलमानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने में लगाई जाएगी। मैं भारत सरकार का शुक्रिया अदा करता हूं और साथ ही देश के तमाम नागरिकों को मुबारकबाद पेश करता हूं। मौलाना ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल से आम मुसलमानों का कोई नुकसान नहीं है बल्कि फायदा होगा। मौलाना ने कहा कि वक्फ जमीन से होने वाली आमदनी से स्कूल, कालेज, मदरसे और यतीमखाने खोले जायेंगे जिससे गरीब मुसलमानों का शिक्षा के मैदान में पिछड़ापन दूर होगा। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल से धार्मिक स्थलों को कोई खतरा नही है। मस्जिदों, मदरसों, ईदगाहों, कब्रिस्तानों, दरगाहों को कोई खतरा नही है। सीएए कानून को लेकर भी मुसलमानों को खूब गुमराह किया गया कि उनकी नागरिकता छीन ली जायेगी, जबकि हकीकत में ऐसा कुछ भी नही था।

अमेरिका के ऑफर को ठेंगा, ईरान ने बता दी 'हैसियत'

एजेंसी ● तेहरान

ईरान ने अमेरिका की किसी भी बात को मानने से इनकार दिया है। इससे साफ है कि वहअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के धमकी से डरने वाला नहीं है। दरअसल, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सीधी बातचीत को 'अर्थहीन' कहकर खारिज कर दिया। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर ट्रंप अपनी पुरानी बात पर कायम रहते हैं, तो ईरान पर हमला करने से वह नहीं हिचकेंगे। ट्रंप ने ईरान के सामने ऑफर दिया था कि वह इस्लामी गणतंत्र के साथ सीधी बातचीत को अहमियत देंगे, लेकिन ईरान ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। पिछले महीने ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक पत्र भेजा था, जिसमें उन्होंने उम्मीद जताई थी कि दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों को रोकने के लिए बातचीत होगी। पिछले हफ्ते ट्रंप

ने धमकी देते हुए कहा था, "अगर वे समझौता नहीं करते, तो बमबारी होगी." अराघची ने रविवार को कहा, "अगर आप बातचीत चाहते हैं, तो धमकी देने का क्या मतलब है?" उन्होंने वॉशिंगटन की ईमानदारी पर सवाल उठाया। तेहरान, जो यह दावा करता है कि वह परमाणु हथियार नहीं चाहता, ने अब तक वॉशिंगटन के प्रस्तावों को ठुकरा दिया है, लेकिन उसने अप्रत्यक्ष कूटनीति के लिए अपनी रुचि दिखाई है – यह बात अराघची ने रविवार के बयान में दोहराई. अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ "बराबरी के आधार पर" बातचीत करना चाहता है।

भयावह : इजरायली नरसंहार पर UN की चौंकाने वाली रिपोर्ट

हर दिन 100 मासूमों के खून से लाल हो रहा गाजा

एजेंसी ● यरूशलम

गाजा की जमीन बच्चों के लहू से लाल हो रही है। हर दिन वहां सैकड़ों नन्हे हाथ हमेशा के लिए थम रहे हैं, आंखों में सपने अधूरे रह जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। यूएन की

रिपोर्ट

रिपोर्ट कहती है कि 18 मार्च से जब इजरायली सेना ने गाजा पर फिर से हमले शुरू किए हैं, हर दिन करीब 100 बच्चे रोज मर रहे हैं या घायल हो रहे हैं। इस भीषण युद्ध की आग में मासूम बचपन राख हो रहा है और दुनिया चुप है। गाजा में जारी हिंसा और तबाही के बीच संयुक्त राष्ट्र ने खुलासा किया है कि 18 मार्च से अब तक हर दिन औसतन 100 से अधिक बच्चे या तो मारे गए हैं या गंभीर रूप से

1000 बच्चे इजरायली हिरासत में

हमास ने भी बच्चों के खिलाफ इज़रायल की कथित नीतियों की निंदा करते हुए कहा कि यह जानबूझकर की जा रही हत्या, हिरासत, और यातना है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर 2023 के बाद से लगभग 1,100 बच्चों को इजरायली सेना ने हिरासत में लिया है, जबकि 39,000 बच्चे अपने माता-पिता में से किसी एक या दोनों को खो चुके हैं। फिलिस्तीनी अधिकार संगठनों के संयुक्त बयान के अनुसार, वेस्ट बैंक से 1,200 बच्चों को इज़रायल ने हिरासत में लिया है और वे प्रतिदिन यातना, भूखमरी, और चिकित्सा उपेक्षा जैसी अमानवीय स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इनमें 17 वर्षीय वलीद अहमद की जेल में मौत भी शामिल है।

घायल हुए हैं। यूएनआरडब्ल्यूए प्रमुख फिलिप लजारिनी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "बच्चों की हत्या का कोई भी औचित्य नहीं हो सकता।"

उन्होंने ग़ाज़ा को बच्चों के लिए 'नो लैंड' करार देते हुए इसे "हमारी साझा मानवता पर दाग" बताया। यूनीसेफ ने बताया कि 18 मार्च को संघर्षविराम टूटने के बाद अब तक कम से कम 322 बच्चों की मौत हो चुकी है। संस्था की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने कहा कि दो महीने का संघर्षविराम बच्चों के लिए राहत लेकर आया था, लेकिन अब वे फिर से हिंसा और अभाव की चपेट में हैं। 5 अप्रैल को मनाए गए फिलिस्तीन बाल दिवस पर फिलिस्तीनी शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 से अब तक 17,000 से अधिक बच्चे मारे जा चुके हैं। मंत्रालय ने कहा, "हर आंकड़ा एक ज़िंदगी, यादों और अनुभवों के खत्म होने की कहानी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)